मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 245
मंगलवार, 24 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत के समक्ष कई अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, लेकिन सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए सजग और तत्पर है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण तर रहा है। आज लोकसभा में नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अपनी बात रखी। वहीं, दोनों सदनों में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत का उल्लेख करते हुए कहा कि इन शहीदों की वीरता, शौर्य और देशभक्ति ने स्वाधीन और सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। राज्यसभा में सभापति सी पी राधाकृष्णन ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का जिक्र करते हुए कहा कि अगर आज देशवासी खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो उसका एक बड़ा कारण स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान है। निजी स्कूलों में हर साल शुल्क वृद्धि पर रोक के लिए पारदर्शी नियामक बनाने की मांग राज्यसभा में उठी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत के समक्ष कई अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, लेकिन सरकार स्थिति से निपटने के लिए सजग और तत्पर है। उन्होंने सदन में दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं हो तथा देश के नागरिकों को परेशानी नहीं हो। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को बताया कि देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे संकटों से देश के

किसानों को बचाने के लिए सरकार ने पिछले एक दशक में कई कदम उठाए हैं जिनमें खाद की पर्याप्त उपलब्धता, यूरिया संयंत्र स्थापित किया जाना, डीएपी तथा एनपीके जैसी खादों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना आदि शामिल हैं। कांग्रेस के अमर सिंह ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर कॉरपोरेट कर में छूट देने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में निजी कंपनियां आम लोगों से कम कर दे रही हैं। कांग्रेस सांसद ने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए दावा किया कि इसमें कई सारी रियायतें दी गई हैं, लेकिन वे केवल बड़े लोगों को दी गई हैं। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी को रियायत दी गई है। इसके दायरे में बड़ी वित्तीय कंपनियां और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां आती हैं लेकिन उन पर कोई शर्त नहीं लगाई गई है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि यदि पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के एक अधिकारी की आत्महत्या के मामले में प्रदेश के सांसद पत्र लिखकर दें तो वह इस मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश दे देंगे। सदन में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने यह विषय उठाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कॉपोरेट विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया, जिसका मकसद सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 23 मार्च। आज लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका का नाम न लेने के लिए उनकी आलोचना की और कहा कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी संसद में बहस नहीं कर सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं।

राहुल ने कहा कि सुना है... प्रधानमंत्री ने 25 मिनट का भाषण दिया है। लेकिन मेरी गारंटी है- वो पार्लियामेंट में डिबेट नहीं कर सकते, क्योंकि Compromised हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अभी 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। नरेंद्र मोदी 100% ट्रंप के कंट्रोल में हैं। ट्रंप के सामने नरेंद्र मोदी 'चूं' तक नहीं कर सकते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रंप ने नरेंद्र मोदी

को 'कंट्रोल' कर रखा है। दो कारण हैं: पहला Epstein और दूसरा अल्लि। नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से कहा: आप जो हुक्म करेंगे, हम वही करेंगे। हम आपसे पूछे बिना किसी से तेल और नेचुरल गैस नहीं खरीदेंगे।

अपने हमला जारी रखते हुए राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने ट्रेड डील कर भारत का कृषि सेक्टर अमेरिका के लिए खोल दिया। हमारे यहां छोटे खेत होते हैं, वहीं अमेरिका में हजारों एकड़ के बड़े खेत होते हैं। हमारे यहां लोग हाथ से काम करते हैं और वहां बड़ी मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिका का माल भारत आने लगा तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। हमें मिलकर संविधान की रक्षा करनी है। संविधान की रक्षा में ही हिंदुस्तान के आदिवासियों, गरीबों, मजदूरों की रक्षा है। अगर संविधान खत्म हो गया तो हमारे पास कुछ नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और इखढ का पूरा फाइनेंशियल स्ट्रक्चर अडानी है। नरेंद्र मोदी ने देशभर के पोर्ट, एयरपोर्ट, सीमेंट कंपनी, सोलर पॉवर, विंड पॉवर और सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर अडानी को सौंप दिया। अमेरिका में अडानी पर जो केस है, दरअसल वो नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए है। अमेरिका का नरेंद्र मोदी को सीधा मैसेज है कि ज्यादा ऊटपटांग हरकत की तो समझ लेना। ट्रंप ने साफ कहा है- मैं मोदी का करियर खत्म कर सकता हूं। राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं- हिंदुस्तान में जितनी जगह दूसरों को मिलती है, उतनी ही जगह आदिवासियों को मिले। आदिवासियों के बच्चे बेहतरीन कॉलेज और स्कूलों में पढ़ें। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों में आपके बच्चे काम करें। हम ऐसा भविष्य चाहते हैं। मेरे दिल में, मेरे परिवार और कांग्रेस पार्टी में आदिवासी भाई-बहनों के लिए बहुत सारा प्यार और मोहब्बत है।

प्रियंका गांधी ने पश्चिम एशिया पर संसद में मांगी चर्चा

नई दिल्ली, 23 मार्च। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने बयान में कुछ भी नया नहीं कहा और उन्होंने संसद में इस मामले पर चर्चा की मांग की ताकि सभी पक्ष अपने विचार रख सकें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उन्होंने देश को स्थिति से अवगत कराया है। संसद में इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे ने कहा कि यह बहुत खोखला और सतही बयान था। हमने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था...सत्ताधारी पार्टी जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटी हुई है। उन्होंने कहा था कि बिजली की कमी नहीं होगी, लेकिन अभी महाराष्ट्र में बिजली की भारी कमी है और किसान बिजली के लिए गुहार लगा रहे हैं...उन्होंने सरकार की तैयारियों के बारे में कुछ नहीं कहा। प्रधानमंत्री ने अपने बयान

में कहा कि संघर्ष के समय में भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और केंद्र सरकार संवेदनशील, सतर्क और हर संभव सहायता देने के लिए तत्पर है। उन्होंने स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि उन्होंने देश को स्थिति से अवगत कराया, कोई नई बात नहीं कही। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि चर्चा के लिए जो नोटिस दिया गया है, वह होना चाहिए ताकि हम भी जवाब दे सकें और सभी पक्ष अपने विचार रख सकें। संसद में चर्चा होना बेहतर होगा। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से माल ढुलाई युद्ध की शुरूआत से ही एक चुनौती रही है, फिर भी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि गैस और ईंधन की आपूर्ति पर कम से कम असर पड़े।

अनिल अंबानी केस में धीमी जांच पर सुप्रीम कोर्ट की ईडी-सीबीआई को फटकार'

नई दिल्ली, 23 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी से जुड़ी संस्थाओं, जिनमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड भी शामिल है, में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन की हेराफेरी से संबंधित एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से टिप्पणी की कि जांच एजेंसियों का आचरण कुछ हद तक अनिच्छापूर्ण रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि नियामकीय निष्कर्षों और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत दलीलों में उठाए गए गंभीर आरोपों के बावजूद, जांच की गति और दृष्टिकोण चिंताजनक हैं। इसलिए न्यायालय ने निर्देश दिया है कि जांच एजेंसियों (ईडी और सीबीआई) द्वारा की जाने वाली जांच पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए ताकि न केवल न्यायालय बल्कि सभी हितधारकों का विश्वास बना रहे।

सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को सूचित किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने लेन-देन की जांच के लिए विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारियों, जिनमें उप निदेशक और सहायक निदेशक

शामिल हैं, के साथ-साथ फोरेंसिक लेखा परीक्षकों को मिलाकर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। यह भी बताया गया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने लेन-देन लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की है और जांच के दौरान गिरफ्तारियां की गई हैं। न्यायालय ने यह भी गौर किया कि प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि कई मामले जांच के अधीन हैं, जिनमें लोक सेवकों की भूमिका से जुड़े मामले भी शामिल हैं और वित्तीय संस्थानों से विवरण मांगे गए हैं।

हालांकि, जनहित याचिका याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) की रिपोर्ट में अनिल अंबानी और संबंधित संस्थाओं द्वारा धोखाधड़ी योजनाओं और धन की हेराफेरी के आरोपों के बावजूद, सीबीआई द्वारा गिरफ्तारियों सहित कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

जवाब में, सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दलीलों पर गौर करते हुए न्यायालय ने कहा कि जांच एजेंसियों को सच्चाई का पता लगाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, विशेषकर उन मामलों में जहां आरोप अधिकारियों के साथ मिलीभगत की ओर इशारा करते हैं। न्यायालय ने दोहराया कि जांच निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से की जानी चाहिए और समयबद्ध तरीके से पूरी होनी चाहिए। एसजीआई मेहता ने न्यायालय को आश्वासन दिया कि सच्चाई का पता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

असम चुनाव: गौरव गोगोई ने जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया

असम, 23 मार्च। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया, जो राज्य स्तरीय चुनावी राजनीति में उनका पहला कदम है। इसके बाद गौरव गोगोई ने कहा कि आज असम में नफरत से भरी राजनीति चल रही है। असम के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसीलिए असम की सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर असम की राजनीति को साफ करना चाहती हैं। वर्तमान में लोकसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में कार्यरत गोगोई ने अपने दिन की शुरूआत विभिन्न समुदायों के धार्मिक स्थलों का दौरा करके की, जिसके बाद उन्होंने जोरहाट स्टेडियम से एक रोड शो शुरू किया। इस रैली में भारी भीड़ उमड़ी और इसका समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ, जहां उन्होंने अपना नामांकन पत्र जमा किया।

कांग्रेस छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें रायजोर दल, असम जातीयतावादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस शामिल हैं।

अब राजधानी की तस्वीर बदलेगी: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। सोमवार को दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र का शुभारंभ पारंपरिक 'खीर समारोह' के साथ हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने कहा कि आगामी बजट दिल्ली के लगभग 3 करोड़ निवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि 'खीर समारोह' न केवल बजट प्रक्रिया की एक पारंपरिक शुरूआत है, बल्कि समृद्धि, शुभता और जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में परिलक्षित होंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ-साथ किसान, स्कूली छात्र, शिक्षक, डॉक्टर, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य, महिला ड्राइवर और मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

-ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है।

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव बना सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और टकराव नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी की शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

पश्चिम बंगाल का भवानीपुर बना आगामी विधानसभा चुनावी रण का मैदान

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उसी मुकाबले की ओर बढ़ती दिख रही है जिसने 2021 के विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे चर्चित बना दिया था. मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के सामने एक बार फिर खड़े हैं उनके पूर्व सहयोगी से सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बने सुवेंदु अधिकारी, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लड़ाई नंदीग्राम में नहीं बल्कि कोलकाता के सबसे प्रतिष्ठित और राजनीतिक रूप से संवेदनशील विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में हो रही है. साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट को सिर्फ एक सामान्य सीट नहीं, बल्कि पूरे चुनाव की दिशा तय करने वाली सीट माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुकाबला सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि बंगाल की सत्ता की प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है.

बहरहाल इस बार भवानीपुर का मुकाबला महज एक सीट की जंग नहीं, बल्कि बंगाल की सबसे बड़ी 'सियासी डर्बी'(कोलकाता की दो मशहूर कट्टर प्रतिद्वंद्वी टीम मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच होने वाले मैच को 'कोलकाता डर्बी' कहा जाता है।) बन चुका है। पश्चिम बंगाल की राजनीति के लगातार बदलते परिदृश्य में भवानीपुर जैसी कुछ ही सीटें हैं, जिनके साथ इतिहास और प्रतीकात्मक महत्व इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि वह राजनीतिक सफर है जो राज्य में कांग्रेस के लंबे प्रभुत्व से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उभार तक के बदलाव को साफ तौर पर दशार्ता है। आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ मानी जाने वाली भवानीपुर सीट हमेशा से तृणमूल कांग्रेस की पहचान नहीं रही। आजादी के बाद दशकों तक दक्षिण कोलकाता की यह सीट कांग्रेस का मजबूत गढ़ थी और राज्य के कई प्रभावशाली नेताओं का राजनीतिक आधार रही। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे ने इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में और बाद में निर्दलीय के तौर पर चुनाव जीता। कांग्रेस के अन्य दिग्गज नेताओं जैसे मीरा दत्ता गुप्ता और रथिन तालुकदार ने भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, जिससे भवानीपुर कांग्रेस का प्रमुख शहरी गढ़ बन गया। कई वर्षों तक यह सीट कांग्रेस के प्रभाव में रही, जबकि वामपंथी दल उस समय केवल 1969 में थोड़े समय के लिए यहां जीत हासिल कर सके, जब इस सीट का नाम बदलकर कालीघाट विधानसभा क्षेत्र कर दिया गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता साधन गुप्ता ने बांग्ला कांग्रेस और माकपा की संयुक्त मोर्चा की दूसरी सरकार के दौरान यह सीट जीती। वह 1953 में भारत के पहले दृष्टिहीन सांसद बने थे।

भवानीपुर की राजनीतिक यात्रा ने तब अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब यह सीट 1972 में परिसीमन के बाद चुनावी नक्शे से ही गायब हो गयी। लगभग चार दशकों तक यह सीट केवल राजनीतिक स्मृतियों में ही बनी रही। जब 2011 के परिसीमन के दौरान यह सीट दोबारा अस्तित्व में आयी, तब पश्चिम बंगाल की राजनीति भी बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही थी। उसी वर्ष वाम मोर्चा के 34 साल के शासन का अंत हुआ और ममता बनर्जी का दौर शुरू हुआ। नए सिरे से बनी भवानीपुर सीट जल्द ही तृणमूल के उभार से जुड़ गई। बनर्जी ने 2011 के पहले चुनाव में अपने करीबी सहयोगी सुब्रत बक्शी को इस सीट से उम्मीदवार बनाया। बक्शी ने 64 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर माकपा के नारायण जैन को करीब 50,000 वोट से हराया और भवानीपुर को तृणमूल का मजबूत गढ़ बना दिया। इसके बाद बक्शी ने सीट छोड़ दी ताकि तृणमूल की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री बनीं ममता बनर्जी उपचुनाव के जरिए विधानसभा में प्रवेश कर सकें। बनर्जी ने करीब 77 प्रतिशत वोट हासिल कर माकपा की नंदिनी मुखर्जी को 54,000 से अधिक मतों से हराया और भवानीपुर में अपना मजबूत राजनीतिक आधार स्थापित किया। तब से यह सीट तृणमूल के कब्जे में बनी हुई है। कोलकाता के महापौर और मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहाकि भवानीपुर हमारे लिए सिर्फ एक सीट नहीं है। यह वह जगह है जहां लोगों ने ममता बनर्जी की विकास और समावेश की राजनीति पर बार-बार भरोसा जताया है।

वर्षों से भवानीपुर में कई हाई-प्रोफाइल मुकाबले हुए, लेकिन नतीजा नहीं बदला। 2016 के विधानसभा चुनाव में वाम दलों और कांग्रेस ने गठबंधन कर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी को बनर्जी के खिलाफ उतारा। इस मुकाबले को ह्यदीदी बनाम बौदीह्न के रूप में पेश किया गया। बनर्जी ने 65,520 वोट हासिल कर दासमुंशी (40,219 वोट) को आसानी से हराया। भाजपा के चंद्र कुमार बोस तीसरे स्थान पर रहे, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

पांच साल बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया, जहां उनका मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से हुआ। भवानीपुर से तृणमूल ने शोवनदेव चट्टोपाध्याय को उम्मीदवार बनाया, जबकि भाजपा ने अभिनेता रुद्रनील घोष को मैदान में उतारा। घोष को 44,786 वोट मिले, जो इस सीट पर किसी विपक्षी उम्मीदवार को अब तक मिले सबसे ज्यादा वोट थे लेकिन वह 28,000 से अधिक वोटों से हार गए।

उसी साल यह सीट और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। नंदीग्राम में अधिकारी से 1,956 वोटों से हारने के बाद ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उपचुनाव जीतना जरूरी था। एक बार फिर भवानीपुर केंद्र में आया। चट्टोपाध्याय ने सीट खाली की और बनर्जी ने भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल के खिलाफ उपचुनाव लड़ा। बनर्जी ने 58,000 से अधिक वोटों के अंतर और लगभग 72 प्रतिशत मतों के साथ जीत हासिल की, जिससे भवानीपुर उनकी सबसे भरोसेमंद सीट के रूप में स्थापित हो गया। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र मुख्यतः कोलकाता नगर निगम के वार्डों से बना है जो दक्षिण कोलकाता की सामाजिक विविधता को दशार्ता है। यहां बंगाली मध्यमवर्गीय इलाकों के साथ बड़ी संख्या में हिंदी भाषी व्यापारी समुदाय भी रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर भी स्थित है, जो कोलकाता के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है और यहीं ममता बनर्जी का निवास भी है। अनुमान के अनुसार, यहां लगभग 42 फीसदी वोटर बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और करीब 24 फीसदी मुस्लिम हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सामाजिक मिश्रण ममता बनर्जी की शहरी जनवादी राजनीति के अनुकूल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने कहाकि भवानीपुर दक्षिण कोलकाता की बहुसांस्कृतिक पहचान को दशार्ता है। ममता बनर्जी ने यहां समुदायों से परे एक व्यक्तिगत जुड़ाव बनाया है। जैसे-जैसे 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भवानीपुर एक बार फिर राजनीतिक केंद्र में है। इस सीट पर एक बार फिर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी बनाम ममता बनर्जी का मुकाबला होने वाला है। इस मुकाबले ने इस सीट की राजनीतिक कहानी में एक नया नाटकीय मोड़ जोड़ दिया है। चक्रवर्ती ने कहाकि भवानीपुर में बनर्जी को चुनौती देकर भाजपा इस सीट को मनोवैज्ञानिक युद्ध का मैदान बनाना चाहती है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया ने भी इस सीट को लेकर राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। भवानीपुर में मतदाता सूची से 47,000 से अधिक नाम हटाए गए हैं, जबकि 14,000 से अधिक मतदाता सत्यापन के अधीन हैं। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में समय बदल चुका है। जो सीटें कभी अजेय मानी जाती थीं, वे अब चुनौती का सामना कर रही हैं और भवानीपुर भी इसका अपवाद नहीं होगा। निकटवर्ती चुनावी मुकाबले से परे भवानीपुर अब राज्य की सबसे प्रतीकात्मक राजनीतिक लड़ाई के केंद्र में है।

अब इस बंगाल विधानसभा चुनाव कि लड़ाई में तब एक और ट्विस्ट आया है जब भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार का खाका तैयार करते समय सबसे पहले उनके 'अंतिम प्रहार' की जगह तय की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बंगाल चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का आखिरी और सबसे भव्य रोड शो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ यानी 'भवानीपुर' से होकर गुजरेगा।राज्य में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होना है, लेकिन सबकी निगाहें 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण पर टिकी हैं, जिसमें कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इसी चरण के प्रचार के अंतिम दौर में, यानी 24 से 27 अप्रैल के बीच, प्रधानमंत्री कोलकाता की सड़कों पर उतरेंगे।

हालांकि सुरक्षा कारणों और एसपीजी की मंजूरी के बाद ही विस्तृत रूट चार्ट फाइनल होगा, लेकिन यह तय हो चुका है कि इस रोड शो का केंद्र बिंदु भवानीपुर ही रहेगा। चर्चा है कि रोड शो या तो भवानीपुर से शुरू होगा या फिर यहीं इसका भव्य समापन होगा। मैदान पर गहमागहमी शुरू हो चुकी है। सुवेंदु अधिकारी पहले ही भवानीपुर की गलियों में जनसंपर्क शुरू कर चुके हैं, जहां उन्हें तृणमूल के विरोध और नारों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने भी रविवार से अपनी चुनावी जनसभाओं का आगाज कर दिया है। भाजपा का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो की खबर से न केवल कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि भवानीपुर के मतदाताओं के बीच 'मोदी फैक्टर' को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

महिलाओं के सम्मान के मामले में योगी से काफी पीछे खड़े हैं अखिलेश

-अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी की मजबूत पकड़ वाले महिला वोट बैंक पर अब समाजवादी पार्टी की नजर लग गई है. पीडीए-पीडीए करते-करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव प्रदेश की उन महिलाओं को लुभाने में लग गए हैं, जो अखिलेश यादव के शासनकाल में सबसे ज्यादा डरी सहमी रहती थी. इसी को मुद्दा बनाकर 2017 में बीजेपी ने यूपी में सत्ता हासिल की थी. इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता है कि योगीराज में महिलाएं अपने आप को समाजवादी सरकार के समय से ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं. इस बात का प्रमाण है भाजपा को मिलने वाला महिलाओं का वोट. महिला वोटर खुलकर भाजपा के पक्ष में मतदान करते हैं, इसकी सबसे बड़ी समाजवादी सरकार के समय महिलाओं के साथ हुआ अत्याचार.खैर सुबह का भूला शाम को वापस आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते. अब अखिलेश यादव को महिलाओं के सम्मान की चिंता सताने लगी है. लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर जब महिलाओं का सम्मान समारोह शुरू हुआ तो माहौल एकदम अलग था। अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली सैकड़ों महिलाओं को माला पहनाकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश ने साफ कहा कि अगर 2027 में सपा की सरकार बनी तो नारी समृद्धि सम्मान योजना शुरू होगी और इसके तहत गरीब परिवार की हर महिला को सालाना 40 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में दिए जाएंगे। साथ ही पुरानी समाजवादी पेंशन योजना को भी नई रूप में बहाल किया जाएगा। यह घोषणा महज कोई वादा नहीं बल्कि सपा की नई चुनावी रणनीति का सबसे बड़ा हिस्सा है जिससे आधी आबादी यानी महिला वोट बैंक को लक्ष्य बनाया गया है। वैसे बता दे इस तरह के दावे सपा प्रमुख अखिलेश यादव पिछले विधानसभा चुनाव में भी कर चुके हैं लेकिन महिला मतदाताओं ने उन पर विश्वास नहीं किया.दरअसल, अखिलेश यादव पिछले कई सालों से सत्ता वापसी की कोशिश में लगे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक फॉमूर्ले के जरिए भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब 2027 के लिए उन्होंने उस फॉमूर्ले में एक और अक्षर जोड़ दिया है। वह है ए यानी आधी आबादी। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर लिखा कि पीडीए के साथ ए को जोड़कर महिला सशक्तिकरण को चुनावी एजेंडा बनाया जाएगा। कार्यक्रम में उन्होंने अपनी पुरानी योजनाओं का भी जिक्र किया। 1090 हेल्पलाइन हो या मुलायम सिंह यादव कन्या विद्याधन योजना और रानी लक्ष्मीबाई योजना इन सबको याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि सपा हमेशा महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की स्थिति से तय होती है। अगर स्त्रियों की स्थिति की जानकारी हो जाए तो पूरे समाज की तस्वीर साफ हो जाती है।

कार्यक्रम का नाम रखा गया था मूर्ति देवी मालती देवी महिला सम्मान समारोह। मूर्ति देवी अखिलेश यादव की दादी और मुलायम सिंह यादव की मां थीं जिन्होंने मुलायम सिंह को सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ने का संस्कार दिया। वहीं मालती देवी मुलायम सिंह की पत्नी और अखिलेश की मां थीं जिन्होंने घर संभालकर पति को राजनीति के लिए पूरी आजादी दी। अखिलेश ने इन दोनों विभूतियों को याद करते हुए कहा कि इन्हीं संस्कारों के चलते वह आज इस मुकाम पर हैं, लेकिन सवाल यह है कि महिलाओं का सम्मान करने के लिए उन्हें ऐसी कोई वीरांगना या सामाजिक आंदोलन चलाने वाली क्यों नहीं देखी जो उसके परिवार से इतर हो. सपा सांसद डिंपल यादव ने भी इस मौके पर कहा कि देश को आगे बढ़ना है तो महिलाओं को आगे आना होगा। उन्होंने चिंता जताई कि नई पीढ़ी की बेटियां कुछ पीछे छूटती जा रही हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि भारत में महिलाओं की स्थिति बहुत खराब है। अगर कैमरे अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो सत्ता परिवर्तन अपने आप हो जाएगा। उन्होंने डायल 100 की पुरानी व्यवस्था का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने जानबूझकर वहां महिलाओं को रखा था क्योंकि वे दुख और तकलीफ को बेहतर समझती हैं। आने वाले समय में रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर नई योजना लाकर महिलाओं को और सम्मान दिया जाएगा। बहरहाल इस सच्चाई को अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि महिलाएं उत्तर प्रदेश की राजनीति में हमेशा निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं। 2017 के चुनाव में भाजपा ने अखिलेश सरकार के दौरान महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को बड़ा मुद्दा बनाया था। तब एंटी रोमियो स्क्वायड जैसी पहल के साथ योगी सरकार ने इस वर्ग का विश्वास जीता। पिछले सालों में एनकाउंटर और हाफ एनकाउंटर जैसी नीतियों ने अपराधियों पर लगाम लगाई और महिलाओं को भयमुक्त माहौल देने का दावा किया गया। लेकिन अखिलेश अब कह रहे हैं कि मौजूदा समय में महिला उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं और पुलिस का राजनीतिक दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर और दूसरे जिलों में घट रही घटनाओं का भी जिक्र किया जहां पुलिस पर दबाव का आरोप लगाया। उनका तर्क है कि आर्थिक मदद के साथ सुरक्षा का माहौल भी जरूरी है और यही कमी पूरी करने के लिए नारी समृद्धि योजना लाई जा रही है।

इस घोषणा का असर देखने के लिए बिहार का उदाहरण सामने है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार सरकार ने महिलाओं को 10 हजार रुपये का कारोबार शुरू करने के लिए मदद देने का ऐलान किया। राशि सीधे खातों में पहुंची और महिला वोट बैंक ने एनडीए को बड़ा समर्थन दिया। यूपी में भी योगी सरकार ने बजट में महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं लेकिन अखिलेश ने सीधे नकद 40 हजार रुपये सालाना देने का वादा कर बड़ा दांव खेला है। सपा प्रवक्ता दीपक रंजन ने कहा कि सपा शासन में महिलाएं सुरक्षित रहीं और अब आर्थिक मजबूती से वे और मजबूत होंगी। उनका दावा है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए महिलाएं सपा के साथ तेजी से जुड़ रही हैं।दूसरी ओर भाजपा ने तुरंत पलटवार किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा का मतलब ही महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालना है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से लेकर 2022 तक हर चुनाव में आधी आबादी ने सपा को उखाड़ फेंका। 2024 में कुछ सीटें ज्यादा जीतने का श्रेय धोखे को दिया और कहा कि 2027 में सपा का पूरा सफाया होगा। मौर्य ने आगे कहा कि कोई अपना सुहाग संतान या राखी खतरे में नहीं डालेगा। सपा के पास गुंडे माफिया अपराधी और भ्रष्टाचारियों की पूरी फौज है। इसलिए सपा उत्तर प्रदेश की सुरक्षा के लिए खतरा है। दूसरे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने और तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा का हाल वही है जो सौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। उनके शासन में बहन बेटियां सहमी हुई थीं और नारा लगता था देख सपाई बिटिया घबराई। बहू बेटियों की आबरू लूटी जाती थी और निकलना दूभर था। वे मुंबई से डांस करने वालियां बुलाते थे और अब महिला सम्मान की बात करते हैं। पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

यह विवाद यूपी की राजनीति को और तेज कर रहा है। महिला वोट बैंक हमेशा निर्णायक रहा है लेकिन सिर्फ आर्थिक वादा काफी नहीं होता। उनके प्रति नेताओं का व्यवहार भी अहम होता है। सपा को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए और मेहनत करनी होगी। वहीं भाजपा अपनी कानून व्यवस्था और विकास की कहानी को और मजबूत करके पेश कर रही है। अखिलेश की यह योजना अगर लागू होती है तो लाखों गरीब महिलाओं को सीधा फायदा पहुंचेगा। लेकिन बजट का सवाल भी उठेगा। यूपी में करोड़ों महिलाएं हैं और गरीब परिवारों को टारगेट करने पर भी खर्च बड़ा होगा। फिर भी राजनीतिक तौर पर यह दांव सपा को नया जोश दे सकता है। अखिलेश यादव ने कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगे भी बेहतर योजनाएं लाई जाएंगी। हर बच्ची युवती और नारी को सामाजिक आर्थिक रूप से सम्मान देने के लिए स्त्री सम्मान समृद्धि योजना लाई जाएगी। उन्होंने सपा के संकल्प को दोहराया कि प्रदेश की संपूर्ण उन्नति तभी संभव है जब महिलाएं मजबूत हों। इस बीच ओम प्रकाश राजभर जैसे सहयोगी दलों ने भी कटाक्ष किया है कि ना नौ मन गेहूं होई ना राधा नाचेगी। लेकिन सपा का फोकस साफ है। वह महिला वोट को जोड़कर 2027 में वापसी का सपना देख रही है।

अब सवाल यह है कि यह वादा जमीनी स्तर पर कितना असरदार साबित होगा। महिलाएं न सिर्फ आर्थिक मदद चाहती हैं बल्कि सुरक्षा सम्मान और बेटियों की बेहतर शिक्षा भी चाहती हैं। सपा ने इन सबको जोड़ने की कोशिश की है। भाजपा की ओर से भी महिलाओं के लिए योजनाएं जारी हैं लेकिन सपा का यह सीधा नकद हस्तांतरण वाला मॉडल नया है। बिहार में कामयाब रहा तो यूपी में भी असर दिख सकता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि कानून व्यवस्था का मुद्दा हमेशा भारी पड़ता है। 2017 में यही मुद्दा सपा की हार का बड़ा कारण बना था। अब 2027 में दोनों पार्टियां इस मोर्चे पर आमने सामने हैं।कार्यक्रम में सम्मानित महिलाओं में खेल शिक्षा चिकित्सा पर्यावरण और किसान क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं शामिल थीं। यह दिखाता है कि सपा हर क्षेत्र की महिलाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। अखिलेश ने कहा कि अगर सत्ता आई तो पहले से बेहतर काम करेंगे। उनकी पार्टी का दावा है कि महिलाएं अब बदलाव चाहती हैं और वोट के जरिए वह बदलाव लाएंगी। दूसरी तरफ भाजपा का तर्क है कि सपा का राजनीतिक सूर्य अस्त हो चुका है और 2047 तक भी उम्मीद नहीं। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की सियासत अब पूरी तरह महिला केंद्रित हो गई है। अखिलेश यादव का यह दांव 2027 के चुनावी मैदान को और रोचक बना रहा है। देखना होगा कि महिला वोट बैंक किसके पक्ष में झुकता है। क्या 40 हजार रुपये का वादा पुरानी यादों को मिटा पाएगा या कानून व्यवस्था की बात फिर भारी पड़ेगी। फिलहाल राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है और दोनों पक्ष अपनी रणनीति पर काम कर रहे हैं। यूपी की महिलाएं इस बार तय करेंगी कि किसकी बात पर भरोसा किया जाए।

महिला सुरक्षा संस्थाओं का पतन

– डॉ. सत्यवान सौरभ

महाराष्ट्र महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रूपाली चाकणकर द्वारा एक बलात्कार आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात उर्फ कैप्टन के पैर धोने का दृश्य सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश में हंगामा मच गया। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर बने संस्थानों की आंतरिक कमजोरी का प्रतीक है। एक ऐसे व्यक्ति के चरणों में नतमस्तक होना, जिस पर 58 महिलाओं के यौन शोषण, गुप्त कैमरे लगाने और नशीले पदार्थों के माध्यम से अंधविश्वास का लाभ उठाने के आरोप हैं, नारीवाद के सिद्धांतों पर गहरा आघात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर चाकणकर ने 20 मार्च 2026 को इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रश्न बना हुआ है—क्या यह राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली का परिणाम है? भारतीय संदर्भ में महिला आयोग राज्य स्तरीय संस्थाएँ हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 15 और 39 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई हैं। लेकिन जब इन संस्थाओं का प्रमुख स्वयं एक आरोपी के प्रति श्रद्धा दिखाए, तो पीड़ित महिलाओं का विश्वास कैसे बनेगा? नासिक पुलिस ने खरात के फार्महाउस से 58 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए, जो यह सिद्ध करते हैं कि अंधविश्वास कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना हमें सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी स्तर पर गंभीर चिंतन के लिए बाध्य करती है। अशोक खरात कोई साधारण ज्योतिषी नहीं था। वह कैप्टन के नाम से जाना जाता था, जो नेताओं से लेकर आम महिलाओं तक को अपनी कथित पूजा-पाठ और हस्तरेखा देखने के बहाने फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने फार्महाउस पर गुप्त कैमरे लगाए थे, महिलाओं को नशीला पदार्थ पिलाया और उनका शोषण किया। पेन ड्राइव में 58 वीडियो मिले, जो उसके अपराधों के ठोस प्रमाण हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खरात की संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये की है, जो शोषण के माध्यम से अर्जित की गई है।

भारत में अंधविश्वास का यह बाजार नया नहीं है। तंत्र-मंत्र, ज्योतिष और तथाकथित बाबाओं का प्रभाव ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अंधविश्वास से जुड़े अपराधों में 15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। खरात ने कई नेताओं के हाथ देखे, जिनमें रूपाली चाकणकर भी शामिल थीं। एक वीडियो में वे यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि ह्लआप जैसे महापुरुष दुर्लभ हैं। यह श्रद्धा किस प्रकार अपराधी को संरक्षण देती है, यह गंभीर विचार का विषय है। राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपी को छूट मिली, जो व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। रूपाली चाकणकर भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने ह्यव्यक्तिगत कारणोंह्न से इस्तीफा दे दिया, परंतु विशेष जांच दल की जांच जारी है। क्या वे आरोपी की सहयोगी थीं? विपक्ष ने उन्हें सह-आरोपी बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने तत्काल इस्तीफे का निर्देश दिया, जो सराहनीय कदम है। यह घटना राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली की समस्या को उजागर करती है, जहाँ योग्यता की बजाय वफादारी को प्राथमिकता दी जाती है। महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन वास्तविकता अलग है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का सामना करती हैं, लेकिन आयोगों तक पहुँचने वाली शिकायतें 5 प्रतिशत से भी कम हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी, भय और राजनीतिक दबाव है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही स्थिति है, जहाँ अंधविश्वास और बाबाओं का प्रभाव अधिक है और राजनीतिक नेता इन्हें वोट बैंक के लिए बढ़ावा देते हैं।

अंधविश्वास महिला शोषण का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। कई तथाकथित बाबा ह्यकाला जादू हटानेह्न के नाम पर महिलाओं का शोषण करते हैं। शिक्षा के बावजूद अंधविश्वास का बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत लोग अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच यह एक विडंबना है। कानून के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, पोक्सो कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम ऐसे अपराधों को नियंत्रित करते हैं। फिर भी सजा की दर 30 प्रतिशत से कम है। त्वरित सुनवाई की कमी के कारण अपराधी खुले घूमते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने हुसैनारा खातून मामले में त्वरित सुनवाई को संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना था। महाराष्ट्र में विशेष जांच दल का गठन एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पारदर्शिता आवश्यक है। सुझाव के रूप में महिला आयोगों को स्वायत्त बनाया जाना चाहिए, राजनीतिक नियुक्तियों को रोका जाना चाहिए, अंधविश्वास विरोधी कानून को मजबूत किया जाना चाहिए (जैसे झारखंड मॉडल), और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। साथ ही, पुलिस प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता को शामिल किया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर विश्व आर्थिक मंच की जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत का स्थान 127वाँ है। ऐसी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक छवि प्रस्तुत करती हैं। अन्य देशों में #MeToo आंदोलन इसलिए सफल हुआ क्योंकि वहाँ की संस्थाएँ अधिक मजबूत थीं। भारत को भी इससे सीख लेनी चाहिए। रूपाली चाकणकर प्रकरण एक आईना है, जो दिखाता है कि जब तक संस्थाएँ राजनीति की भेंट चढ़ती रहेंगी, तब तक महिला सुरक्षा केवल एक दावा बनी रहेगी। अंधविश्वास का अंत शिक्षा से और राजनीतिक दुरुपयोग का अंत सुधार से ही संभव है। समाज, सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा, अन्यथा पीड़ितों की संख्या बढ़ती ही जाएगी।

भिवंडी मनपा ने शहीद दिवस के अवसर पर भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर दी श्रद्धांजलि

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च के अवसर पर शहीद दिवस के रूप में याद करते हुए भिवंडी मनपा मुख्यालय में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महापौर नारायण चौधरी के शुभहस्ते तीनों शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में नगरसेवक संदीप भोईर, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त सपना विसावा, सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, नितीन पाटिल, अजय महाडिक सहित पालिका के विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रभाग अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और देश के प्रति समर्पण की भावना को बनाए रखने का संकल्प भी लिया गया।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की जनहित फिल्म: 'मच्छर है, मेहमान नहीं' – हर आने वाला न्योते का हकदार नहीं होता

मुंबई। भारत में मच्छर और उनसे फैलने वाली बीमारियां आज भी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई हैं। बावजूद इसके, मच्छरों की मौजूदगी इतनी सामान्य हो गई है कि अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। इस धारणा को बदलने के लिए गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने अपने सीएसआर अभियान एलिमिनेशन ऑफ मॉस्किटो बॉर्न एंडेमिक डिजीज (ईएमबीईडी) के तहत मच्छर है, मेहमान नहीं नामक एक जनहित फिल्म लॉन्च की है। यह फिल्म देशभर के परिवारों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम अपने रोजमर्रा के जीवन में मच्छरों को कितनी आसानी से जगह दे देते हैं। यह पहल जीसीपीएल की उस संस्कृति को दर्शाती है जो समुदायों में वास्तविक बदलाव लाने पर केंद्रित है। भारत में हर साल डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियां लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार, केवल 2025 में ही भारत में 1.13 लाख से अधिक डेंगू के मामले दर्ज किए गए। यह आंकड़े मानसून के मौसम के बाद भी मजबूत सामुदायिक जागरूकता और निवारक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। भारत की मेहमाननवाजी की गहरी जड़ों वाली परंपरा, जहां मेहमानों का स्वागत सम्मान के साथ किया जाता है, उसी सांस्कृतिक सोच को इस अभियान ने एक नया मोड़ दिया है। मच्छर है, मेहमान नहीं परिवारों को याद दिलाता है कि हर आने वाला व्यक्ति निमंत्रण का हकदार नहीं होता। फिल्म में लोकप्रिय वाक्य पधारो म्हारे देश को रचनात्मक रूप से ना पधारो म्हारे देश में बदलकर यह संदेश दिया गया है कि मच्छरों का घर के अंदर कभी स्वागत नहीं होना चाहिए। यह फिल्म इस बात पर ध्यान आकर्षित करती है कि कैसे हमारी रोजमर्रा की आदतें–जैसे कूलर में जमा पानी, खुली बाल्टियां या घर के आसपास के उपेक्षित कोने–अनजाने में मच्छरों के पनपने की जगह बन जाते हैं। मच्छरों को 'निरुपद्रवी मेहमान' के बजाय 'अवांछित घुसपैठिए' के रूप में पेश कर, यह फिल्म परिवारों को अपने घर और समुदाय को सुरक्षित रखने के लिए सरल निवारक तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। सुधीर सितापति, एमडी और सीईओ, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कहा, मच्छरजनित बीमारियां अभी भी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई हैं। इसके लिए सामूहिक जागरूकता और लगातार व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता है। मच्छर है, मेहमान नहीं के जरिए हम एक ऐसी सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करना चाहते थे जो भारतीय घरों से गहराई से जुड़ी हो। मेहमाननवाजी के विचार पर फिर से सोचने के माध्यम से, हमें उम्मीद है कि हम लोगों को उन सरल लेकिन प्रभावी निवारक कदमों को उठाने के लिए प्रेरित करेंगे जो उनके घरों और समुदायों को सुरक्षित रखते हैं। स्वाति भट्टाचार्य, क्रिएटिव स्टोरीटेलर (जिन्होंने इस फिल्म की पटकथा लिखी है) ने कहा, भारत में मेहमाननवाजी सिर्फ एक परंपरा नहीं है - यह हमारी सहज प्रवृत्ति है। जैसे हम मेहमानों का स्वागत करते हैं, वैसे ही हम ठहरे हुए पानी और खुले कूड़ेदानों के साथ मच्छरों का भी स्वागत करते हैं। आइए अब मच्छरों को अनफ्रेंड करें और एक 'एंटी-हॉस्पिटैलिटी कव्वाली' गाएं – मच्छर है मेहमान नहीं। इस अभियान के केंद्र में एक विचारोत्तेजक वीडियो फिल्म है जो कहानी और सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से परिवारों को 'सतर्क मेजबान' बनने और अपने घर के आसपास मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए प्रोत्साहित करती है।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने वैल्यू फैशन सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत की

मुंबई। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के जेन-जी केंद्रित फैशन ब्रांड 'OWND!' ने भारत भर में 75 स्टोर्स के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ब्रांड ने मुंबई में अपने दो नए स्टोर्स लॉन्च करते हुए इस प्रमुख बाजार में प्रवेश किया है, जो इसकी विकास यात्रा में एक अहम कदम है। ब्रांड प्रमुख और फैशन-फॉरवर्ड बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाना जारी रखे हुए है। मुंबई में अपनी शुरूआत को खास बनाने के लिए OWND! ने एक शानदार लॉन्च इवेंट का आयोजन किया, जिसने ब्रांड की ऊर्जा और पहचान को जीवंत कर दिया। इस शाम एक गतिशील फैशन शो आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म 'खो गए हम कहां' के मुख्य अभिनेताओं में से एक, आदर्श गौरव शोस्टॉपर रहे। इस इवेंट में शहर के फैशन और युवा समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसने स्टाइल, आत्म-अभिव्यक्ति और संस्कृति का एक जीवंत उत्सव मनाया। ब्रांड के ये नए स्टोर्स इनफिनिटी मॉल (मालाड) और आर-मॉल (ठाणे) में स्थित हैं, जो क्रमशः 5900+ वर्ग फुट और 7600+ वर्ग फुट में फैले हुए हैं। इन स्टोर्स को 'इमर्सिव' (immersive) और हाई-एनर्जी रिटेल स्पेस के रूप में डिजाइन किया गया है, जो OWND! की बेबाक और अभिव्यंजक पहचान को जीवंत करते हैं। यहाँ 'ट्रेंड-फर्स्ट' कलेक्शन, सहज लेआउट और फिजिकल व डिजिटल अनुभवों का बेहतरीन तालमेल देखने को मिलता है। ये स्पेस ग्राहकों को नई खोज, व्यक्तिगत पहचान और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करने के लिए बनाए गए हैं। इस उपलब्धि पर संगीता तनवानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पैंटालून्स और OWND!ने कहा, हमें OWND! के 75-स्टोर के मील के पत्थर तक पहुँचने पर बेहद गर्व है।

महाराष्ट्र ओबीसी कृति समिति की कार्यकारिणी बैठक एवं पदभार समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के नवीमुंबई में खारघर में आयोजित महाराष्ट्र ओबीसी कृति समिति की कार्यकारिणी बैठक और पदभार समारोह रविवार, 22 मार्च 2026 को धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर ओबीसी समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष और एकजुटता का संदेश दिया गया।

समिति के अध्यक्ष श्रावण फरकाडे ने बताया कि ओबीसी जातियों के लिए केंद्रीय आरक्षण की लड़ाई को और तेज किया जायेगा। इस संदर्भ में समिति ने केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र राज्य के 33 ओबीसी जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए समिति लगातार प्रयासरत है।इस अवसर पर मंच पर ओबीसी महाराष्ट्र कृति समिति के अध्यक्ष श्रावण फरकाडे, कार्याध्यक्ष राम खरपुरिया, संरक्षक डॉ नामदेव राउत, महिला विंग कार्याध्यक्ष सरिता गाखरे, महासचिव मोरेश्वर भादे, संरक्षक पी आर बडगुजर, सचिव दीपक नेवे, लेवे गुजर समाज के अध्यक्ष जी एम पाटील व कराडी समाज के अध्यक्ष महादेव बंडाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन करके की गई। इस मौके उपस्थित विशेष अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष श्रावण फरकाडे ने कहा कि आरक्षण हमारा अधिकार है, और इसे हम प्राप्त करके रहेंगे, चाहे इसके लिए हमें कितना भी संघर्ष क्यों न करना पड़े। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों ने एकजुट होकर आरक्षण और ओबीसी समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष की आवश्यकता पर बल दिया। कार्याध्यक्ष राम खरपुरिया ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने संज्ञान लिया है और अब इसे जल्द ही हल किया जायेगा। समिति के संरक्षक मंडल के सदस्य जी एम पाटील और डॉ. नामदेव राउत ने भी समाज को संगठित होने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कुछ प्रमुख प्रस्ताव पारित किये गये और नये पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं गईं।इस अवसर पर संरक्षक मंडल के पदाधिकारी डॉ नामदेवराव राउत, प्रकाश सिद्ध, पी आर बडगुजर, एस एम बडगुजर, शालिकजी नेवारे, मधुकर चोपड़े, हेमंत ढोले, संपर्क प्रमुख नरेंद्र बडगुजर, कोषाध्यक्ष मुकुंद मुसले, सलमानी समाज के मकसूद हसन सलमानी व प्रसिद्धि प्रमुख आशाद शेख, कराडी समाज के प्रल्हाद कासकर, शांताराम गुजर, विलास पाटील, एडवोकेट चंद्रकांत बिडकर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर 'ऑल इंडिया मुस्लिम ओबीसी ऑर्गनाइजेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष शब्बीर अहमद अंसारी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

रोशन पांडेय की युवा सेना कल्याण जिला सचिव पद पर नियुक्ति

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (शिंदे) के कार्यकर्ता रोशन पांडेय की युवा सेना कल्याण जिला सचिव पद पर नियुक्ति की गई है। कल्याण लोकसभा के सांसद श्रीकांत शिंदे के हाथों और नगरसेवक महेश गायकवाड़ की मौजूदगी भी रोशन पांडेय को नियुक्ति पत्र देकर जिला सचिव का पद बहाल किया गया है। बतादें कि रोशन पांडेय पिछले अनेक वर्षों से कल्याण पूर्व में सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े है। इतना ही नहीं वे शिवसेना (शिंदे) के सक्रिय कार्यकर्ता भी है। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और कामों को देखते हुए उन्हें युवा सेना जिला सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद रोशन पांडेय ने शिवसेना (शिंदे) के वरिष्ठ नेताओं का आभार माना। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे निभाने के लिए वे पूरी निष्ठा के साथ पार्टी का काम करेंगे।

श्री नामदेव युवा मंडल का पांचवा स्नेह सम्मेलन धूमधाम से सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विरार शहर (प.) अंतर्गत स्थित तिरुपति नगर में श्री नामदेव युवा मंडल द्वारा अपने पंचम वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन रविवार 22 मार्च 2026 को धूमधाम से सम्पन्न हुआ।यह विशेष कार्यक्रम मोहन बाग हॉल, तिरुपति नगर फेज-1, विरार वेस्ट में आयोजित किया गया , जिसमें समाज के सभी बंधु, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 4:00 बजे से महिला भजन संध्या के साथ शुरू हुआ , जिसमें भक्ति रस से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी गई। इसके बाद शाम 5:00 बजे से 8:00 बजे तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। साथ ही समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी दौरान विभिन्न चढ़ावो की बोलिया बोली गई, जिसमे समाज बंधुओ नें बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत मे महाप्रसादी की विशेष व्यवस्था की रखी गई थी। मंडल के प्रबंधन कार्यालय की ओर से यह भी बताया गया है कि इस आयोजन के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा, सांस्कृतिक जुड़ाव और धार्मिक आस्था को और मजबूत किया जायेगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा, बल्कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद और एकता को भी सुदृढ़ करता है, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए तुलसी छीपा नें समाज की बहनो से निवेदन करते हुए कहा की अब हमें भी समाज के उत्थान के लिए भागीदारीता निभानी होंगी, कुछ जिम्मेदारियां हमें भी लेनी होंगी साथ ही समाज की विभिन्न समस्यायों के बारे मे बताते हुए कहा की कुछ समस्या हम खुद पालकर रखे है जिसका निदान हमें करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री नामदेव युवा मंडल पालघर के पूरी टीम का अथक सहयोग रहा।

भिवंडी में सीवर मेनहोल की सफाई के लिए रोबोट तकनीक से करने के लिए जेनरोबोट का प्रदर्शन आयोजित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में सीवर और नालों की सफाई के लिए पारंपरिक व्यवस्था कम पड़ने के चलते भिवंडी महानगरपालिका अब आधुनिक तकनीक अपनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में केरल की जेनरोबोट कंपनी द्वारा सीवर मेनहोल की सफाई के लिए रोबोटिक मशीन का प्रात्यक्षिक सोमवार को अशोक नगर क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन को देखने के लिए महापौर नारायण चौधरी, नगरसेवक एड. वैभव भोईर, फराज बहाउद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त विक्रम दराडे, स्वच्छता विभाग के जे. एम. सोनवणे, हरेश भंडारी, नितीन चव्हाण सहित पालिका के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार, शहर के कई इलाकों में सीवर मेनहोल काफी गहरे होने के कारण उनकी सफाई मैन्युअल तरीके से करना कठिन और जोखिम भरा होता है। कई बार ऐसे कार्यों में जान का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में रोबोटिक तकनीक के उपयोग से मुख्य सड़कों के साथ-साथ संकरी गलियों के मेनहोल की सफाई भी सुरक्षित और आसान तरीके से की जा सकती है। महापौर नारायण चौधरी ने बताया कि इस अत्याधुनिक जेनरोबोट मशीन की कीमत करीब 1 करोड़ 9 लाख रुपये है। इस तकनीक के उपयोग से सीवर सफाई कार्य अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रात्यक्षिक के आधार पर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर मशीन की खरीद को लेकर निर्णय लिया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी बताया कि यह रोबोटिक प्रणाली विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों की जटिल सीवर व्यवस्था को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे सफाई कार्य में तेजी और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकेगी।

पालघर जिला परिषद कार्यालय में मनाया गया शहीद दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में सोमवार 23 मार्च 2026 को शहीद दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने शहीद भगतसिंग, राजगुरू और सुखदेव की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिले के कई प्रमुख अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने शहीदों की वीरता और बलिदान को याद किया।

ज्ञात हो कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों झ भगतसिंग, राजगुरू और सुखदेव को 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया था। इस दिन को शहीद दिवस के रूप में मनाते हुए उनके अदम्य साहस, देशभक्ति और बलिदान को नमन किया गया। उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हुए इस के आयोजन में देश की प्रगति के लिए कर्तव्यनिष्ठ कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर शहीदों के कार्यों का उल्लेख करते हुए उपस्थित अधिकारियों ने उनके संघर्ष और बलिदान के महत्व को रेखांकित किया। शहीदों के साहस व बलिदान को याद कर अधिकारियों ने संदेश दिया कि देश की प्रगति के लिए हमें भी कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने शहीदों की याद में एकजुट होकर राष्ट्र की सेवा में अपनी पूरी ताकत से योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद, अशोक पाटील, व्यंकटराव हुंडेकर, कृषी विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पानी समस्या को लेकर पूर्व उपमहापौर की शक्त चेतावनी

कल्याण लोकसभा के सांसद और स्थानीय विधायक दोनो की बेरुखी से जनता त्रस्त

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के खडगोलवली क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पानी की कमी के कारण नागरिक परेशान हैं। साईबाबा कॉलोनी, सुरेश केणे चाल, मातोश्री नगर आदि इलाकों में बड़े पैमाने पर पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में कई बार मोर्चे निकाले गए, अधिकारियों को ज्ञापन देकर पानी की समस्या हल करने की अपील की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। संबंधित विभाग के पास बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी लोगों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी के चलते महानगरपालिका के पूर्व उपमहापौर विक्रम तरे ने खड़ेगोलवली परिसर की महिला नागरिकों के साथ पानी ड प्रभाग स्थित जलापूर्ति विभाग के उप अभियंता से मुलाकात की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो सैकड़ों नागरिकों को साथ लेकर महानगरपालिका के सामने हंडा मोर्चा निकाला जाएगा। अधिकारी से चर्चा के उपरांत विक्रम तरे ने कहा कि कल्याण पूर्व में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है, कल्याण लोकसभा के सांसद और स्थानीय विधायक दोनों को लक्ष्य केंद्रित करने की आवश्यकता है। बतादें कि बीते अनेक वर्षों से यहां सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और सांसद है। बावजूद इसके विकासकार्यों के ऐतबार से कल्याण पूर्व पिछड़ा हुआ है। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधियों को क्या जलसंकट की भीषण समस्या नजर नहीं आती यह सवाल आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों को फिर मिलेगा गरमा-गरम लंच-डिनर, पैंट्री कार में शुरू हुआ खाना बनाना

मुंबई। इंडियन रेलवे ने लंबी दूरी की ट्रेनों में एक बार फिर पैंट्री कार के अंदर खाना बनाने की व्यवस्था शुरू कर दी है। खास तौर पर वे ट्रेनें, जो 15 घंटे से ज्यादा समय तक चलती हैं, उनमें अब यात्रियों के लिए ताजा खाना पैंट्री कार में ही तैयार किया जा रहा है। अब तक पैंट्री कार में केवल इलेक्ट्रिक इंडक्शन और माइक्रोवेव की मदद से खाना गर्म किया जाता था, या फिर पहले से तैयार भोजन को दोबारा गर्म करके यात्रियों को परोसा जाता था। यह खाना बाहर के क्लस्टर किचन से मंगाया जाता था। लेकिन अब रेलवे ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए फिर से ट्रेनों में ही खाना पकाने का फैसला लिया है। हालांकि यह व्यवस्था विशेष परिस्थितियों में लागू की गई है। साथ ही सभी सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए है। इस संबंध में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने सभी ऑन-बोर्ड केटरिंग लाइसेंस धारकों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

अधिकारी के मुताबिक, इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यात्रियों को ताजा और बेहतर गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराना है। लंबे सफर के दौरान कई बार खाने की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें मिलती थीं। ऐसे में पैंट्री कार में खाना बनाने से इन समस्याओं को कम करने की उम्मीद है। हालांकि यह व्यवस्था जरूरत पड़ने पर शुरू की गई है। फिलहाल नई व्यवस्था के तहत पेंट्री कार में चाय, कॉफी, नाश्ता और राजमा-चावल जैसे साधारण भोजन तैयार किए जा रहे है। क्योंकि एलपीजी गैस की समस्या के वजह से कुछ दिनों तक क्लाउड किचन भी प्रभावित थे। 1 दिन किचन बंद था और रेडी तू बात खाना देना पड़ा था। बता दें कि आमतौर पर एक ट्रेन में करीब 150 से 200 यात्री खाना ऑर्डर करते हैं। लेकिन गैस की कमी और सप्लाई में दिक्कतों के कारण रेलवे को यह नया कदम उठाना पड़ा है। यह सुविधा मुंबई से चलने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों में शुरू की गई है। इनमें चेन्नई, हावड़ा, बेंगलुरु और दिल्ली जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में अब यात्रियों को सफर के दौरान ताजा बना हुआ खाना परोसा जाएगा। रेलवे का मानना है कि इस बदलाव से यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा और उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा स्वादिष्ट और सुरक्षित भोजन मिलेगा। इसके अलावा, खाने की सप्लाई में होने वाली देरी की समस्या भी कम होगी।

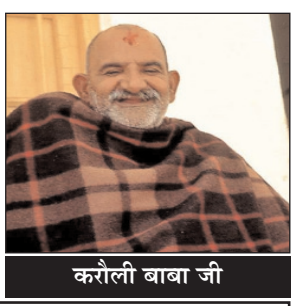

करौली बाबा जी

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया गौ तस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना मीरगंज और थाना मछलीशहर की संयुक्त पुलिस टीम

को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामिया और अंतर्जनपदीय गौ तस्करी में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, 22 मार्च की रात करीब 10:45 बजे गोधना बाजार क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि दो संदिग्ध बदमाश मोटरसाइकिल से जंघई की ओर भाग रहे हैं, जिनका पीछा मछलीशहर पुलिस कर रही है।

सूचना मिलते ही मीरगंज पुलिस ने घेराबंदी कर दी।

चौकी खुर्द क्षेत्र के पास पुलिस टीम ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायर किया, जिसमें एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा, जबकि दूसरा फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आरिफ पुत्र मैनुद्दीन (32 वर्ष), निवासी लमहन थाना महाराजगंज, जौनपुर के रूप में हुई है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा (.315 बोर), एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक हीरो सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी आरिफ पर चोरी, आर्म्स एक्ट, पशु क्रूरता और अन्य गंभीर धाराओं में दो दर्जन से अधिक मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वह गौ तस्करी और वाहन चोरी के मामलों में भी वांछित था।

घटना के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

इस कार्रवाई में मछलीशहर और मीरगंज थाने की पुलिस टीम के साथ स्वाट और गामा टीम के जवान भी शामिल रहे।

लायन्स क्लब क्षितिज के नववर्ष पर डांडिया-गरबा में झूम उठा जौनपुर

मां दुर्गा की आरती से हुआ शुभारंभ, भजन-गरबा में देर रात तक उमड़ा उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय नववर्ष संवत-2083, चैत्र नवरात्रि एवं रामनवमी के अवसर पर लायन्स क्लब क्षितिज द्वारा राजमहल परिसर में भव्य डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। संस्थाध्यक्ष लायन अतुल सिंह के नेतृत्व एवं संस्थापक अध्यक्ष एमजेएफ शशांक सिंह रानू के मार्गदर्शन में पूर्व अध्यक्ष एमजेएफ दिलीप सिंह, एमजेएफ विष्णु सहाय, लायन धर्मेंद्र सेठ, एमजेएफ प्रदीप सिंह व डांडिया कॉर्डिनेटर लायन जय कृष्ण साहू के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

शुभारंभ डॉ.रजनी कांत द्विवेदी द्वारा मां दुर्गा की पूजा-अर्चना से हुआ। मुख्य अतिथि बृजेश सिंह ह्यप्रिन्सूह्ल, विशिष्ट अतिथि लायन अर्पण धर दुबे, डॉ. क्षितिज शर्मा व उमेश चंद्र कक्कड़ ने दीप प्रज्ज्वलित किया। ह्लजय माता दीह्ल के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया।

चेयरपर्सन आराधना सिंह व शुभ मंगलम इवेंट के निर्देशन में शिल्की श्रीवास्तव, शांभवी सिंह, वंशिका सिंह, डॉ. प्रिया सिंह, सीमा चक्रवाल, पूजा श्रीवास्तव, साक्षी टंडन, गायत्री जायसवाल व महक सिंह की प्रस्तुतियों ने समां

बांधा। अमर सुदामा ग्रुप ने गणेश वंदना व झांकियां प्रस्तुत कीं। भजन गायक राजेंद्र राज के गीतों पर डांडिया-गरबा में लोग देर रात तक झूमते रहे। प्रतियोगिताओं में विशाल-एकता बरनवाल, शुभम गुप्ता, डॉ. प्रिया सिंह, विशाल गुप्ता व डॉ.आकांक्षा द्विवेदी विजेता रहे।

इस अवसर पर अजीत सोनकर, सुनील कन्नौजिया, यवनिका सिंह, अर्चना सिंह, किरण सेठ, नीतू सिंह, सुषमा सोनकर, निशा कनौजिया, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, कौशल त्रिपाठी, देव आनंद, सर्वेश जायसवाल, डॉ. प्रशांत, राजीव गुप्ता, संजय बैंकर, संजय गुप्ता, डॉ. चंदन नाथ, जगन्नाथ मोदनवाल, देवेश, मो. हाफिज, हसन अब्बास, सुनील जायसवाल, नीरज सिंह, नीरज श्रीवास्तव, मनीष गुप्ता, संजय जायसवाल, विनय बरोतिया, दीपक साहू, डॉ. विकास रस्तोगी, अंजनी प्रजापति, दिलीप जायसवाल, चंद्रशेखर गुप्ता, रत्नेश गुप्ता, विशाल बरनवाल, डॉ. सतीश चंद्र मौर्य, प्रदीप श्रीवास्तव, रामकृपाल, राम अचल मौर्य, डॉ. योगेंद्र सिंह, रजनी साहू, शरद टंडन, अभिषेक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संचालन संजय गुप्ता, प्रदीप सिंह व अंजनी प्रजापति ने किया, जबकि निर्णायक मीनाक्षी सोनकर, रश्मिता सिंह, बबीता चौबे, सुनीता राय, सरला माहेश्वरी व नीतू सिंह रहीं। आयोजन भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक बना।

जिंदल शॉ लिमिटेड में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 12 छात्रों का चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित जिंदल शॉ लिमिटेड की प्लेसमेंट ड्राइव में इस वर्ष शानदार सफलता प्राप्त हुई, जिसमें कुल 12 मेधावी छात्रों का चयन किया गया। चयनित छात्रों में 4 छात्र मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से तथा 8 छात्र इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से हैं। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने सभी छात्रों को बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों को

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उत्कृष्ट रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से विश्वविद्यालय इस दिशा में सतत प्रयासरत है और परिणामस्वरूप विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां परिसर में आकर प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर रही हैं।

मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप सिंह सहित प्रोफेसर रजनीश भास्कर, डॉ. दीप प्रकाश सिंह एवं डॉ. अनुराग सिंह ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि विभागों में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाती हैं। उनका मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक छात्रों को बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में और अधिक कंपनियों को आमंत्रित करने की योजना है, जिससे छात्रों को विविध क्षेत्रों में करियर बनाने का अवसर मिल सके। चयनित छात्रों के बीच खुशी और गर्व का माहौल देखा गया। इसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र विपिन कुमार, राहुल कुमार गुप्ता, राज पांडे, दिव्यांशु सिंह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र अमन कुमार मौर्य, अभिषेक कुशवाहा, संदीप,विवेक, नीरज चौहान, साहिल कुमार, राज, आदेश श्रीवास्तव, सत्यम विक्रम सिंह चयनित हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक सहित अन्य गणमान्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और सभी चयनित छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शाहगंज में चार सड़कों के चौड़ीकरण का रास्ता साफ

आम जनमानस को आवागमन में मिलेगी सहूलियत

जौनपुर के साथ पड़ोसी जिलों को भी मिलेगा लाभ

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा क्षेत्र की चार महत्वपूर्ण सड़कों के चौड़ीकरण का रास्ता साफ हो गया है। इनमें से कुछ सड़कों पर निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है। क्षेत्रीय जनता पट्टीनरेंद्रपुर-सरायमोहिउद्दीनपुर मार्ग व अरसिया-बेलवाई मार्ग के लगभग तीन किमी हिस्से के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण की प्रतीक्षा वर्षों से कर रही थी। इतना ही नहीं लखनऊ-बलिया राजमार्ग स्थित बड़ौना पानी टंकी से वाया चिलबिली, सवायन होते हुए रुधौली तक सड़क के चौड़ीकरण का कार्य भी काफी दिनों से प्रस्तावित था। इस सड़क के निर्माण हेतु धन अवमुक्त हो जाने से जिले के साथ ही पड़ोस के सुल्तानपुर जनपद के निवासियों को भी लाभ मिलेगा। उपरोक्त तीन सड़को के अलावा लखनऊ-बलिया मार्ग से ही जहरुद्दीनपुर होते हुए बूढ़ूपुर तक एक नए मार्ग का निर्माण भी किया जाएगा। साथ ही उक्त सड़क पर क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर नए पुल का निर्माण होगा। उक्त सड़कों को चौड़ीकरण हेतु चयनित किया गया है। जिसकी लागत क्रमशः है। पट्टीनरेंद्रपुर-सरायमोहिउद्दीनपुर मार्ग लंबाई 9.50 किमी। लागत 1466.43 लाख। बड़ौना वाया चिलबिली रुधौली मार्ग। लंबाई 8.300 किमी। लागत 1451.61 लाख। अरसिया-बेलवाई मार्ग किमी 9-12, लंबाई 3.600 किमी। लागत 657.22 लाख। जहरूद्दीनपुर-बूढ़ूपुर मार्ग व पुलिया निर्माण। लागत 156.6 लाख। इस बावत विधायक रमेश सिंह ने कहा कि उपरोक्त सभी सड़कों के निर्माण हेतु पिछले दो वर्षों से प्रयास चल रहा था जो अब जाकर पूरा हुआ है। इनके निर्माण से क्षेत्रीय जनता सहित पड़ोसी जिलों के लोगों को भी आवागमन में सुविधा होगी और क्षेत्र के विकास को एक नया आयाम मिलेगा।

भगत सिंह जी का जीवन दर्शन युवाओं के लिए अनुकरणीय: धनंजय सिंह

सभा से पूर्व सब्जी मंडी स्थित भगत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुआ घोष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगत सिंह जी कम उम्र में ही देश भक्ति और साहस का अद्भुत उदाहरण

प्रस्तुत किया। इनका जीवन दर्शन युवाओं के लिए अनुकरणीय है।

उपरोक्त वक्तव्य है राष्ट्रीय नौजवान सभा के संरक्षक व पूर्व सांसद धनंजय सिंह के जिन्होंने सोमवार की दोपहर होटल मोटल उत्सव में राष्ट्रवादी नौजवान सभा द्वारा आयोजित शहादत दिवस के अवसर पर एक जन सभा को संबोधित करते हुए कहा।श्री सिंह ने कहा २३ मार्च १९३१ का वह दिन भारतीय इतिहास में अमर हो गया जब उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।उनका जीवन हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने और सच्चाई के साथ खड़े रहने की प्रेरणा देता है। विशिष्ट अतिथि बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि उन्होंने इंकलाब जिंदाबाद का नारा देकर युवाओं में जोश और जागरूकता भर दी।उनकी शहादत ने पूरे देश को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट कर दिया। आज हमें उनके आदर्शों को अपनाकर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए।इसके पूर्व दीप प्रज्ज्वलित कर बलिदानी भगत सिंह जी ,सुखदेव जी, राजगुरु जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तत्पश्चात कार्यक्रम का शुरूआत किया गया।वहीं एक दर्जन सेवानिवृत्त सैनिक को सम्मानित किया गया। वहीं सुबह सब्जी मंडी स्थित भगत सिंह पार्क में इनकी प्रतिमा पर अतिथि द्वै ने माल्यार्पण किया और और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया और अमरता के गगनभेदी नारे लगाए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ओमप्रकाश सिंह,नवीन सिंह, राणा प्रताप सिंह,प्रमोद कुमार शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

युवाओं में जागरूकता, सुरक्षा और राष्ट्रप्रेम का संदेश बना शिविर का केंद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के षष्ठम दिवस पर साइबर अपराध से बचाव एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं प्रेरक कार्यक्रम आयोजित हुए।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर हम बड़े साइबर अपराधों से बच सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को साइबर क्राइम से बचाव हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा ह्यसंचार साथीह्ल उपयोगी मोबाइल ऐप डाउनलोड करवाकर उसके प्रभावी उपयोग की जानकारी भी दी।

इसके पश्चात वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी एवं अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अन्नू त्यागी ने ह्ययुवा और मानसिक स्वास्थ्यह्ल विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि खुश रहना हमारे अपने हाथ में है और हम सकारात्मक सोच के माध्यम से अपने जीवन में खुशियाँ भर सकते हैं। युवाओं के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन का विकास अत्यंत आवश्यक है।

अगले सत्र में प्रो. हरिओम त्रिपाठी एवं डॉ. ममता सिंह ने शहीद दिवस एवं राष्ट्र प्रेम विषय पर संयुक्त रूप से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। युवाओं को देशहित में सदैव अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा शहीद दिवस पर आधारित भाषण, नाटक एवं विचार प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी को भावुक एवं प्रेरित किया। भोजनावकाश के पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा शहीदों की स्मृति में पदयात्रा निकाली गई, जिसके माध्यम से राष्ट्रप्रेम एवं जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. विशाल यादव, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. अनुराग मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वयंसेवक दिव्यांशु सिंह, पृथ्वी राज सिंह, मनीष यादव, मोनू कुमार, अर्पिता यादव, आलोक मिश्रा, शंभू चौरसिया, रजनीश कन्हैया यादव, सौरभ सिंह, सर्वेश सिंह, राघवेन्द्र यादव, अंकित सिंह, प्रभात तिवारी, संस्कृति अस्थाना, ईश्विका सिंह, अंश मौर्य, विनय पाल, किशन उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

25 मार्च तक प्रैक्टिकल मार्क अपलोड करने के निर्देश, 31 तक सभी रिजल्ट होंगे घोषित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परीक्षा परिणामों को समयबद्ध तरीके से घोषित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को 25 मार्च तक सेशनल एवं प्रैक्टिकल परीक्षाओं के अंक अनिवार्य रूप से अपलोड करने को कहा है।

बैठक में कुलपति ने महाविद्यालयों द्वारा आंतरिक एवं प्रैक्टिकल परीक्षाओं के परिणाम अपलोड करने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा तक अंक अपलोड न करने वाले महाविद्यालयों के परिणाम रोक दिए जाएंगे।

कुलपति ने यह भी निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय स्तर पर यूजी एवं पीजी सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम 31 मार्च तक हर हाल में घोषित किए जाएं, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वहीं परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने बताया कि परीक्षा सत्र 2026 के लिए सभी महाविद्यालय 25 मार्च तक परीक्षा फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 11 अप्रैल से सम सेमेस्टर (रेगुलर) परीक्षाएं प्रस्तावित हैं, ऐसे में समयबद्ध प्रक्रिया बेहद जरूरी है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि यूजी के 13 पाठ्यक्रमों के परिणाम पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जबकि पीजी के शेष परिणाम जल्द ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह, उपकुलसचिव अजीत सिंह सहित विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हर घर नल योजना बनी मजाक, फ़्लोरोसिस प्रभावित गांवों में भड़का आक्रोश

कोन,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जल जीवन मिशन के तहत संचालित हर्रा-कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना कोन क्षेत्र में पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। फ़्लोरोसिस प्रभावित कई गांवों में आज भी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

सोमवार को कुड़वा गांव में समाजसेवी सोमारु यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जल निगम और कार्यदायी संस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने 'मुदार्बाद' के नारे लगाते हुए योजना में भारी अनियमितता का आरोप लगाया।

ग्रामीणों का कहना है कि कचनरवा, कुड़वा, असनाबांध, बागेसोती, सिंगा समेत दर्जनों गांवों में वर्षों से पानी की आपूर्ति बंद है। कई घरों में नल कनेक्शन तक नहीं दिए गए, जबकि जहां कनेक्शन हुए भी हैं, वहां नलों से पानी नहीं आ रहा। मजबूरी में लोग नदी-नालों और दूषित जल स्रोतों का पानी पीने को विवश हैं, जिससे फ्लोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बना हुआ है।

ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष लक्ष्मी कुमार जायसवाल ने आरोप लगाया कि कार्यदायी संस्था ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

स्थानीय लोगों के अनुसार पाइपलाइन बिछाने का कार्य अधूरा है और कई स्थानों पर गुणवत्ता भी संदिग्ध है। वहीं कचनरवा स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़ा ट्रांसफार्मर हटाए जाने से जलापूर्ति और प्रभावित हुई है।

इस संबंध में कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर सुदर्शन विंद ने बताया कि जल स्रोत पर पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है और प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है। ट्रांसफार्मर को अंडर कैपेसिटी होने के कारण हटाया गया है और जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से मांग की है कि योजना की जांच कराकर दोषी संस्था को ब्लैकलिस्ट किया जाए और जल्द से जल्द नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या को लेकर लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है।

केराकत में धड़ल्ले से हो रहा है अवैध अस्पतालों का संचालन

◆ झोला-छाप डॉक्टर कर रहे ऑपरेशन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और झोला-छाप डॉक्टरों की गतिविधियों को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्गावती हॉस्पिटल एवं बाल कृष्ण चिकित्सालय में बिना वैध डिग्री और रजिस्ट्रेशन के मरीजों का इलाज और ऑपरेशन किया जा रहा है।

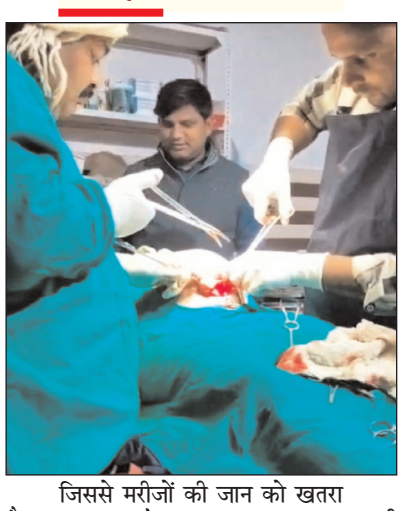

जानकारी के अनुसार डॉ. सुरेंद्र, डॉ. बिनोद, डॉ. ए.के. वर्मा तथा डॉ. बिनोद यादव के नेतृत्व में चल रहे इन चिकित्सा केंद्रों में स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि यहां झोला-छाप डॉक्टरों द्वारा गंभीर सर्जरी तक की जा रही है, जिससे मरीजों की जान को खतरा बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन अस्पतालों में न तो पर्याप्त चिकित्सा उपकरण मौजूद हैं और न ही मान्यता प्राप्त चिकित्सकों की उपलब्धता है। इसके बावजूद खुलेआम इलाज और ऑपरेशन का काम जारी है।

मामले को लेकर क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से इस मामले को गंभीरता से लेकर ऐसे अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई करने की मांग की है '

सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो वायरल करने वाला युवक गिरफ्तार

सरायख्वाजा पुलिस ने देशी तमंचा व कारतूस के साथ दबोचा, विधिक कार्रवाई जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध नियंत्रण के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना सरायख्वाजा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो वायरल करने वाले एक अभियुक्त को पुलिस ने अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर देवेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनू कन्नौजिया पुत्र महेंद्र कन्नौजिया निवासी ग्राम बडऊर, थाना सरायख्वाजा के रूप में हुई है।

पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और 0.315 बोर का एक कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ फोटो वायरल किया गया था, जिसके आधार पर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है। आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें मारपीट व आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक बृजेश सिंह, उपनिरीक्षक शिवानंद वर्मा, हेड कांस्टेबल शशिप्रकाश सिंह, कांस्टेबल आशुतोष तिवारी एवं कांस्टेबल सोनू यादव शामिल रहे।

केराकत में गूंजी तकबीर, ईदगाह से मस्जिद तक उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत में ईद-उल-फितर का त्योहार इस वर्ष भी अकीदत, उल्लास और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल बनकर सामने आया। सुबह से ही

इमाम मौलाना रईसुल खैरी ने अदा कराई ईद की नमाज, गले मिलकर दी मुबारकबाद

शहर की फिजाओं में तकबीर की गूंज सुनाई दी और बड़ी संख्या में अकीदतमंद ईदगाह व मस्जिदों की ओर नमाज अदा करने के लिए उमड़ पड़े। सुबह करीब 8 बजे केराकत शाही ईदगाह में पेश इमाम मौलाना रईसुल खैरी की अगुवाई में ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई। इस दौरान हजारों लोगों ने बारगाह-ए-इलाही में सजदा कर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद पूरे माहौल में रूहानियत और

भाईचारे की झलक साफ दिखाई दी।

नमाज के उपरांत एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला शुरू हुआ। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब सभी ने मिलकर इस त्योहार को आपसी सौहार्द और प्रेम के साथ मनाया। पकवानों की मिठास और मेल-मिलाप ने त्योहार की रौनक को और बढ़ा दिया।

इस खास मौके पर विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के लोग भी मौजूद रहे। भाजपा और सपा के स्थानीय नेताओं सहित कई गैर-मुस्लिम नागरिकों की भागीदारी ने आपसी भाईचारे का मजबूत संदेश दिया। उनकी मौजूदगी ने यह साबित किया कि केराकत में धार्मिक एकता आज भी मजबूत है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। केराकत ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब दिल मिलते हैं, तो मजहबी दूरियां अपने आप खत्म हो जाती हैं।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने श्री स्वामी समर्थ प्रकट दिवस के अवसर पर दर्शन कर लिया आशीर्वाद

वसई रोड। वसई क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने श्री स्वामी समर्थ मठ में आयोजित श्री स्वामी समर्थ प्रकट दिवस के अवसर पर दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस पावन अवसर पर मठ परिसर में गहरा धार्मिक और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने श्री स्वामी समर्थ के चरणों में शीश नवाकर अपनी आस्था व्यक्त की। भक्तों ने नामस्मरण, प्रार्थना और भजन-कीर्तन के माध्यम से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर इस शुभ दिवस को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया।

शीतल सोनी ने निम्मी दोशी का किया सम्मान

वसई रोड। वसई रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी के मध्यवर्ती कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अरनाला में आयोजित होने वाले भाजपा प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष एवं नगरसेवक महेश सरवनकर ने प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं के विषय में जानकारी दी। उन्होंने आगामी एसआईआर कार्यक्रम को लेकर भी कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया और बताया कि बूथ प्रमुख, शक्ति प्रमुख और अन्य पदाधिकारियों को किस प्रकार सक्रिय होकर कार्य करना है। आवश्यकता पड़ने पर नगरसेवकों से सहयोग लेने की भी बात कही गई।

बैठक के अंत में वॉर्ड नंबर 23 की नगरसेविका श्रीमती निम्मी दोशी को वसई-विरार महानगरपालिका की बाल कल्याण समिति में सदस्य नियुक्त किए जाने पर सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वसई रोड मंडल महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती शीतल सोनी ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर नगरसेविका अपर्णा पाटिल, नगरसेवक महेश सरवनकर, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, समाजसेवक निपुण दोशी, कामगार आघाड़ी प्रमुख हरीश बेदी, जीतू वेंगुलकर और मयंक सेठ सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल देखने को मिला।

भाजपा जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुई विधायक स्नेहा दुबे पंडित

नालासोपारा। नालासोपारा (पूर्व) स्थित रीजेंसी बैंक्वेट हॉल में भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर जिला द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान एवं एसआईआर वर्कशॉप उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मार्गदर्शन भाजपा महाराष्ट्र की महासचिव माधवीताई नाइक ने किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ संगठन मंत्री हेमंतजी म्हात्रे, नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका प्रज्ञा पाटिल, जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, मनोज बारोट, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वसई-विरार नगर निगम में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से करने के लिए प्रेरित किया गया और पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

डॉ. लोहिया के मिशन को आगे बढ़ा रहे अखिलेश यादव : मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ ,नई दिल्ली महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को वर्तमान दौर में सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का कार्य अखिलेश यादव कर रहे हैं। यह बात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने सोमवार को जारी प्रेस बयान में कही।

उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने सामाजिक समानता, पिछड़ों-दलितों को अधिकार, महिला सशक्तिकरण और गैर-कांग्रेसी राजनीति का जो सपना देखा था, उसे अखिलेश यादव व्यवहारिक रूप में जमीन पर उतार रहे हैं। अरशद खान ने बताया कि लोहिया जी का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाना था, जिसे समाजवादी नीतियों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अखिलेश सरकार के दौरान युवाओं को लैपटॉप वितरण, शिक्षा सुधार और तकनीकी सशक्तिकरण जैसे कदम उठाए गए, जो एक आधुनिक और प्रगतिशील भारत की दिशा में महत्वपूर्ण रहे। उन्होंने किसानों और गरीबों के हितों का जिक्र करते हुए कहा कि लोहिया जी हमेशा किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के पक्षधर रहे। इसी क्रम में अखिलेश यादव भी किसानों की आय बढ़ाने, कर्ज राहत और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। धर्मनिरपेक्षता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि लोहिया जी का संदेश सभी धर्मों के सम्मान और सामाजिक सद्भाव का था, जिसे समाजवादी पार्टी मजबूती से आगे बढ़ा रही है। अंत में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश को डॉ. लोहिया की विचारधारा की सबसे अधिक जरूरत है और अखिलेश यादव ही इस मिशन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं।

शम्भूगंज बाजार में हाईमास्ट लाइट से जगमगाया क्षेत्र, लोगों को मिली राहत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के शम्भूगंज बाजार में हाईमास्ट लाइट स्थापित होने से क्षेत्र में रोशनी की बेहतर व्यवस्था हो गई है। यह लाइट एमएलसी बृजेश सिंह (प्रिंशु) की निधि से लगाई गई है, जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती कौशिल्या देवी का विशेष सहयोग रहा। हाईमास्ट लाइट लगने से बाजार में अंधेरे की समस्या दूर हो गई है। स्थानीय दुकानदारों और आम लोगों को अब देर शाम तक आवागमन और व्यापार में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया और इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर रविशंकर गुप्ता, गोपाल अग्रहरि, जगदीश अग्रहरि, जंगीलाल अग्रहरि, मुन्ना यादव, नंदलाल मौर्य, राजकुमार मौर्य, विनोद मोदनवाल, मनीष सिंह, मालिक मौर्य, डॉ. मनोज कुमार मौर्य, अनवर अली, शिव गुप्ता, मनीष सिंह, मनोज सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र में तीन दिवसीय जनजातीय उत्सव का आगाज, कलाकारों ने बिखेरा सांस्कृतिक रंग

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लोढ़ी स्थित संत कीनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में सोमवार से तीन दिवसीय जनजातीय उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस उत्सव में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामसकल चौबे, प्राचार्य डॉ. गोपाल सिंह, जिला मंत्री शमशेर बहादुर सिंह, जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, जिला प्रशासन सोनभद्र एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। पहले दिन आल्हा गायन, करमा नृत्य, डोमकच्छ, झूमर, धरकहरी और चकरी-चरी भवई जैसे लोकनृत्यों और गायन की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक परंपराओं की झलक पेश की। कार्यक्रम के अगले दिन भी विभिन्न लोकनृत्य एवं लोकगायन प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामसकल चौबे ने की, जबकि संचालन आराध्या और गौरी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में दर्शक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिला मजदूर अधिकार सम्मेलन में महिलाओं ने रोहनिया विधायक को अपने हक और अधिकार हेतु मांग पत्र सौपा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन ब्लॉक मुख्यालय पर मनरेगा मजदूर यूनियन व समता किशोरी युवा मंच के संयुक्त तत्वाधान में तथा संयोजक सुरेश राठौर के नेतृत्व में महिला मजदूर अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में भारी संख्या में आयी हुई महिलाओं ने एक स्वर में अपने अधिकार और हक के लिए आवाज उठाते हुए मनरेगा कानून वापस लेने की मांग क ो उठायी ।मनरेगा मजदूर यूनियन की नेता रेणु ने कहा कि हम मजदूरों से बिना पूछे, असंवैधानिक तरीकों से हमारे नरेगा कानून को खत्म कर दिया गया वो हमारे साथ केंद्र सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा धोखा है नया कानून वीबी ग्राम जी मजदूरों से रोजगार के हक को छीन रहा है और अब रोजगार मिलना सरकार की मेहरबानी पर टिका रहेगा ।कार्यक्रम का संचालन करते हुए संयोजक सुरेश राठौर ने कहा कि आज भारत में गैरबराबरी अंग्रेजी हुकूमत जितनी है जहाँ अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ती जा रही है ।सम्मेलन में पहुंचे रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल को महिलाओं ने अपनी विभिन्न मांग पत्र को दिया। विधायक ने उक्त मांग पत्र को जायज बताते हुए मुख्यमंत्री के पास भेजने हेतु आश्वासन दिया। सम्मेलन के दौरान प्रमुख रूप से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल, सुरेश राठौर, राजीव यादव, राष्ट्रीय संयोजक अरविंद मूर्ति, सर्व सेवा संघ से अरविंद अंजुम, राजशेखर,अमीर गर्ग अनूप श्रमिक, योगीराज पटेल, राजकुमार ,पूजा, अनिल, मुश्तफा, आशा, चंदा, सावित्री, शीला, कलावती, निर्मला, राधिका, कविता, सपना, नेहा,ज्योति, जीरासहित हजारों महिला मजदूर शामिल हुए ।

खुटहन क्षेत्र के सीताराम सिंह इंटर कॉलेज त्रिकौलिया में अयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का विधायक ने किया उद्घाटन

श्री पैथोलॉजी की पहल पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 300 मरीजों का हुआ इलाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के सीताराम सिंह इंटर कॉलेज त्रिकौलिया में सोमवार को श्री पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जांच शिविर लगाया गया। इसमें 300 सौ से अधिक लोगों का इलाज और 200 को डिस्काउंट कार्ड बनाया गया।

मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह ने कहा कि निजी संस्थाओं द्वारा इस तरह के सामाजिक कार्य सराहनीय हैं। इससे जरूरतमंदों को समय पर जांच और उपचार की सुविधा मिलती है। कहा कि इससे इलाज के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लोगों की भटकन समाप्त होगी और क्षेत्र में ही इलाज सुलभ होगा। प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रबंधक नरसिंह बहादुर सिंह ने भी आयोजन की प्रशंसा की। प्रबंधक ने इसे समाज हित में उपयोगी बताया। आयोजक डॉ. रविशंकर सिंह ने बताया कि श्री पैथोलॉजी की ओर से इस निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। जांच शिविर में मरीजों को निशुल्क परामर्श एवं इलाज कर उन्हें मुफ्त में दवा दी गई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। शिविर में विभिन्न बीमारियों की जांच की गई और विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को परामर्श दिया। प्रधानाचार्य विपिन कुमार सिंह एवं सच्चिदानंद सिंह ने लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संतोष मौर्य, डॉ.अभिषेक मिश्रा, डॉ.आदित्य सिंह, डॉ. इप्सिता सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. ओम करण सिंह, डॉ. आरिफ खान, डॉ.विनोद, डॉ. दीपक शर्मा, दल सिंगार यादव, नरेंद्र सिंह, राजेंद्र मिश्र, पृथ्वी यादव, प्रांजल सिंह, डॉ.एस के श्रीवास्तव, हरिनारायण सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भावापुर में भव्य कवि सम्मेलन, रचनाओं ने बांधा समां

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सरला राजेंद्र वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा भावापुर में रविवार को सरला श्रीवास्तव एवं राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव की स्मृति में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कवि शरत चंद्र श्रीवास्तव सरल एवं अखिलेश चंद्र श्रीवास्तव ने किया, जबकि अध्यक्षता राम कैलाश पाल प्रयागी ने की और संचालन डॉ. ब्रजेश खरे ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां शारदे के पूजन-अर्चन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देवनाथ सिंह देव ने अमन और सद्भाव का संदेश दिया, जबकि शंभूनाथ श्रीवास्तव शम्भु ने छंदों के माध्यम से होली का रंगीन स्वरूप प्रस्तुत किया। कवयित्री ब्रह्माणी तिवारी ने हास्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया, वहीं राकेश मालवीय मुस्कान ने बालगीत प्रस्तुत कर बच्चों में उत्साह भर दिया। राजीव नसीब की गजल ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कवि रवींद्र कुशवाहा ने रोटी पर अपनी मार्मिक पंक्तियों के माध्यम से जीवन की सच्चाई को उजागर किया—यह रोटी सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि आत्मा की तृप्ति का माध्यम भी है। संयोजक सरल ने व्यंग्य रचना ह्यमनरेगा जी राम जी के जरिए सामाजिक यथार्थ को सामने रखा। संचालन कर रहे डॉ. ब्रजेश खरे ने मां पर आधारित भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की, जिसे खूब सराहना मिली। अध्यक्षता कर रहे राम कैलाश पाल प्रयागी ने किसानों पर केंद्रित मुक्तक सुनाकर कार्यक्रम को ऊंचाई दी। अंत में आयोजकों को सफल आयोजन के लिए श्रोताओं ने बधाई दी।

नवरात्र में शर्मनाक खेल: स्पा सेंटर बना जिस्मफरोशी का अड्डा, वाराणसी में SOG की रेड से मचा हड़कंप

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कड़े निदेशों और लगातार कार्रवाई के बावजूद कमिश्नरेट के गोमती जोन में अवैध स्पा सेंटरों का संचालन जारी है। ताजा मामला राजातालाब थाना क्षेत्र के कचनार स्थित पशु अस्पताल के समीप चल रहे एक स्पा सेंटर का है, जहां नवरात्र के पावन दिनों में भी जिस्मफरोशी का धंधा संचालित किया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद उढ संवाद नंबर पर शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी जानकारी दी गई। उसी आधार पर SOG2 की टीम ने रविवार को स्पा सेंटर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन महिला सेक्स वर्कर और दो ग्राहकों को हिरासत में ले लिया।

टीम ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल, रजिस्टर और नगदी भी बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एसीपी राजातालाब भी मौके पर मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे ऑपरेशन की निगरानी की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह स्पा सेंटर लंबे समय से अवैध तरीके से संचालित हो रहा था। पुलिस को संदेह है कि इसके नेटवर्क के अन्य लिंक भी हो सकते हैं, जिनकी जांच जारी है। बता दें कि वाराणसी कमिश्नरेट के कई क्षेत्रों में पहले भी ऐसे सेक्स रैकेट और फर्जी स्पा सेंटरों का भंडाफोड़ हो चुका है, जिसके बाद पुलिस लगातार निगरानी बढ़ाने का दावा करती रही है। बावजूद इसके शहर में अवैध गतिविधियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है और *स्पा सेंटर संचालित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

सामूहिक विवाह समारोह में 22 जोड़ों ने लिए सात फेरे,विवाह और निकाह साथ साथ

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम विकास इंटर कालेज मैदान में रविवार को भारतीय वैश्य चेतना सभा के तत्वावधान में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्व. सवधूराम साहू, स्व. अशोक यादव व स्व. गांधी मोतीलाल की स्मृति में संपन्न हुआ। कुल 22 जोड़ों ने सात जन्मों तक साथ निभाने का प्रण लिया। कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा। समारोह की शुरूआत आकर्षक बारात से हुई। 22 रथों पर सवार दूल्हे, गाजे-बाजे और डीजे की धुन पर थिरकते बारातियों के साथ खुटहन बाजार का भ्रमण करते हुए आयोजन स्थल पर पहुंचे। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 20 जोड़ों का विधिवत पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराया गया, जबकि दो जोड़ों का मौलवी द्वारा निकाह पढ़वाया गया। इस आयोजन में हिंदू-मुस्लिम एकता की सुंदर मिसाल भी देखने को मिली। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह समाज में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस महानिदेशक लखनऊ बबिता साहू तथा पूर्व अपर जिलाधिकारी अमृतलाल गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिवगोविंद साहू, ओमप्रकाश जायसवाल, देवकुमार राजू, डॉ. अरुण यादव, विशाल जायसवाल, सुनील अग्रहरि, मेवालाल, अनिल गुप्ता, प्रीति गुप्ता, पवन साहू व अरविंद गांधी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन समिति द्वारा सभी नवविवाहित जोड़ों को घड़ी, साइकिल, बेड, बिस्तर, कपड़े, बर्तन और मिष्ठान भेंट किए गए। विदाई के समय जहां वर पक्ष में खुशी का माहौल रहा, वहीं बेटियों को विदा करते समय परिजनों की आंखें नम हो उठीं।

जौनपुर में सांडों की लड़ाई से मचा हड़कंप, यातायात बाधित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के व्यस्त बड़ी मस्जिद रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बीच सड़क पर दो सांड आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच हुई जोरदार लड़ाई के चलते कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सांडों की भिड़ंत काफी उग्र थी। अचानक हुई इस घटना से आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए और अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई बाइक सवार और पैदल राहगीर बाल-बाल बच गए। करीब कुछ समय बाद स्थानीय लोगों के प्रयास से दोनों सांड अलग हुए, जिसके बाद यातायात पुनः सामान्य हो सका। घटना के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन इस तरह की घटनाओं से लोगों में भय बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू शिवनाथ सिंह की मनायी गयी पुण्यतिथि

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगतपुर स्थित समिति कक्ष में सोमवार को अनिरुद्ध नारायण सिंह की अध्यक्षता में सरदार भगत सिंह जी के 95 वें शहादत दिवस एवं महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री बाबू शिवनाथ सिंह के 26 वें पुण्यतिथि के अवसर पर विकसित भारत 2047 में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उच्च शिक्षा की भूमिका विषयक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा तथा विशिष्ट अतिथि सदस्य शिक्षा चयन आयोग डॉक्टर हरेंद्र कुमार राय तथा राष्ट्रीय सचिव अपना दल एस मनीष सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उसके उपरांत महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष बाबू शिवनाथ सिंह तथा स्वर्गीय योगेंद्र नारायण सिंह के पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। मुख्य अतिथि एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि विकसित भारत में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की अहम भूमिका थी जिस तरह से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू शिवनाथ सिंह ने अपने समय में देश की आजादी की लड़ाई लड़ते हुए तथा विकसित भारत को मजबूत करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहे। विशिष्ट अतिथि हरेंद्र राय ने कहा कि विकसित भारत में शिक्षकों की अहम भूमिका है ।कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत प्रबंधक रामसागर सिंह तथा प्राचार्य प्रोफेसर अनिल प्रताप सिंह ने अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।कार्यक्रम का संचालन विनय शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक प्रोफेसर निलय कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अधिवक्ता आलोक सिंह, गगन सिंह, जिला उपाध्यक्ष अरविंद पटेल जिला महामंत्री संजय सोनकर जिला मंत्री अश्वनी पांडेय,राजीव सिंह गौतम, विनय पांडेय, डॉ.जेपी राय, डॉ.रवि पांडेय, डॉ.अमिता श्रीवास्तव, डॉ.मोनिका सक्सेना, अतुल कुमार सिंह ,नितिन कुमार राय, चंद्रशेखर पांडेय, संजय प्रधान, प्रताप सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में दिखा खाड़ी देशों के युद्ध का असर

श्री नारायणी सेवा संस्थान व श्री नारायणी नरी चेतना केंद्र द्वारा आयोजित

मुंबई। श्री मधुसूदन झुनझुनवाला हेल्थ केअर सेंटर (उपक्रम श्री नारायणी सेवा संस्थान) द्वारा लोनावाला में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 350 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई। ट्रस्ट द्वारा मुफ्त में दवाइयां भी दी गई। इस मौके पर श्री नारायणी संस्थान के ट्रस्टी शामिल थे। इस शिविर का मार्गदर्शन प्रख्यात समाजसेवी काशीप्रसाद मुरारका द्वारा किया गया। इस कड़ी में दिलचस्प बात यह है कि लोनावाला की खुबसूरत और हसीन वादियों में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में मौजूद सभी नागरिकों को शुद्ध शाकाहारी भोजन भी कराया गया। गौरतलब है कि ट्रस्ट द्वारा आयोजित लोनावाला के मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में एलपीजी रसोई गैस की भारी किल्लतों के कारण जांच करने आए नागरिकों के लिए कोयला और लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाया गया। पश्चिम एशिया के खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के करण गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण डॉ. अनील काशी मुरारका ने स्वयं रोटी और सब्जी बनाई। बताया जाता है कि रविवार सुबह करीब 9 बजे से अनुभवी चिकत्सकों की टीम ने जांच शुरू की और साथ में दवाइयां भी दी। मौजूद सभी ने वनभोज का आनंद भी लिया।

काशी विश्वनाथ धाम में नवरात्र की सुरमयी संध्या में सजी सुरो की महफिल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। आस्था की प्राचीन नगरी काशी इन दिनों चैत्र नवरात्रि की पावन आभा में डूबी हुई है। काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य प्रांगण में जब सांझ उतरती है, तो केवल दीपों का प्रकाश ही नहीं, बल्कि भक्ति, संगीत और संस्कृति का अद्भुत आलोक भी वातावरण को आलोकित कर देता है। मंदिर न्यास द्वारा आयोजित नौ दिवसीय सांस्कृतिक संध्या श्रृंखला के अंतर्गत पंचमी के दिन यह दृश्य और भी अनुपम हो उठा, जब सुर, ताल और भावनाओं ने मिलकर श्रद्धा का एक जीवंत उत्सव रच दिया।

कार्यक्रम का आरंभ जैसे ही हुआ, प्रख्यात कलाकार प्रो. डॉ. राजेश शाह के सितार की तारों ने एक ऐसी धुन छेड़ी, जिसने मानो समस्त वातावरण को आध्यात्मिक तरंगों से भर दिया। तबले पर विभास महाराज की सधी हुई संगति और बुद्ध आदित्य प्रधान के सितार सहयोग ने इस प्रस्तुति को और भी ऊँचाई प्रदान की। हर स्वर में भक्ति की गूंज थी, हर आलाप में काशी की आत्मा बोल रही थी। उपस्थित श्रद्धालु इस सुरमयी साधना में ऐसे डूबे कि समय मानो ठहर गया। इसके पश्चात भजन गायक सागर मिश्रा ने जब माँ भगवती और भगवान शिव की महिमा का गान किया, तो पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो उठा। उनके स्वर में ऐसी आत्मीयता थी कि हर श्रोता स्वयं को ईश्वर के समीप अनुभव करने लगा। ह्लहर-हर महादेवह्ल के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं की आंखों में भक्ति की आर्द्रता स्पष्ट झलक रही थी। सांस्कृतिक संध्या के इस अनुपम आयोजन में नृत्य ने भी अपनी मोहक उपस्थिति दर्ज कराई। रश्मि वर्मा और श्वेता मिश्रा ने दुर्गा स्तुति और शिव स्तुति पर आधारित भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके भाव, मुद्राएं और लयात्मक अभिव्यक्ति ने बनारस की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को सजीव कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं देवी और देव महिमा के स्वरूप में अवतरित होकर इस आयोजन को दिव्यता प्रदान कर रहे हों। कार्यक्रम का संचालन प्रयागराज की ओजस्वी वक्ता श्वेता श्रीवास्तव ने किया, जिनकी सशक्त और प्रभावशाली शैली ने पूरे आयोजन को एक सूत्र में पिरोए रखा। उनकी वाणी में न केवल प्रवाह था, बल्कि वह भावनात्मक जुड़ाव भी था, जिसने दर्शकों को कार्यक्रम से निरंतर जोड़े रखा।

चैत्र नवरात्रि के पंचमी दिवस का विशेष महत्व माता विशालाक्षी को समर्पित होने के कारण और भी बढ़ गया। इस पावन अवसर पर भगवान शिव के विश्वेश्वर स्वरूप के दर्शन कराकर, माता के लिए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री को विधिपूर्वक अर्पित किया गया। यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि काशी की उस जीवंत परंपरा का भी द्योतक है, जिसमें देव और देवी के मध्य प्रेम, सम्मान और समर्पण का भाव निरंतर प्रवाहित होता रहता है। न्यास द्वारा आयोजित यह सांस्कृतिक श्रृंखला केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के समन्वय का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रतिदिन होने वाली इन प्रस्तुतियों में न केवल कलाकारों की प्रतिभा झलकती है, बल्कि श्रद्धालुओं की अटूट आस्था भी परिलक्षित होती है। पंचमी की इस संध्या में जब ह्लहर-हर महादेवह्ल का जयघोष पूरे धाम में गूंजा, तो वह केवल एक उद्घोष नही था वह काशी की आत्मा की पुकार थी, जो हर युग में, हर श्रद्धालु के हृदय में अनुगूंजित होती रहती है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने मुंबई इंडियंस के साथ टी20 लीग 2026 के लिए बैंकिंग पार्टनर के रूप में साझेदारी की

ठाणे/नवी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि उसने टी20 लीग 2026 के लिए मुंबई इंडियंस के साथ ऑफिशियल बैंकिंग पार्टनर के रूप में साझेदारी की है। यह रणनीतिक साझेदारी बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि इसके माध्यम से बैंक अपनी राष्ट्रीय पहचान को और गहरा कर रहा है और पूरे देश में लाखों क्रिकेट फैंस के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत बना रहा है। इस अवसर पर गोविंद सिंह, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, सरजुकुमार प्रवीण सिमारिया, मुख्य वित्तीय अधिकारी, और सौरभ घोष, हेड कंज्यूमर बैंकिंग, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, सहित मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गोविंद सिंह, एमडी एवं सीईओ, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने इस महत्वपूर्ण साझेदारी पर कहा, हमें मुंबई इंडियंस के साथ साझेदारी करके बेहद खुशी हो रही है क्योंकि यह एक ऐसी टीम है जिसने प्रदर्शन, नेतृत्व और फैंस के साथ जुड़ाव के मामले में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह साझेदारी पूरे भारत में अपने ग्राहकों के साथ और भी मजबूत रिश्ते बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है, और साथ ही देश के सबसे प्रतिष्ठित खेल मंचों में से एक के माध्यम से हमारे ब्रांड की पहचान को भी और अधिक सुदृढ़ करती है।

धूमधाम से मना चक्रदूत प्रजापति समाज का होली मिलन समारोह

* समाज ने एक दूसरे पर किया फूलों की बारिश
* विशाल प्रजापति पर किया गया फूलों की बारिश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के हिन्दी भवन में चक्रदूत प्रजापति समाज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में फूल की होली खेली गई। राष्ट्रीय ताइक्वांडो 2025 स्वर्ण पदक विजेता विशाल प्रजापति आकर्षण का केंद्र रहे। मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि हमारी एकता ही हमारी ताकत है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी लालचन्द प्रजापति ने कहा कि प्रजापति समाज में प्रतिभा की कमी नहीं है। आने वाले कल में प्रजापति समाज देश की दशा और दिशा तय करेगा। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि जेसीआई अध्यक्ष अंजनी प्रजापति, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रजापति विकलेश कुमार एडवोकेट, आजमगढ़ सिविल कोर्ट के पूर्व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता चंद्रभान प्रजापति, रामसूरत प्रजापति, प्रजापति महासभा जौनपुर के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार प्रजापति एडवोकेट, दक्ष आर्मी प्रमुख जनार्दन प्रजापति, चक्रदूत प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष बसंत प्रजापति (अनिल) सभासद ने समाज की एकता पर बल दिया। सम्मानित किए जाने पर नोटरी अधिवक्ता अरुण कुमार प्रजापति, नायब नाजिर तहसील सदर सदानन्द प्रजापति एवं शिक्षक राजेंद्र प्रजापति ने समाज को शिक्षित होने पर जोर दिया। राष्ट्रीय ताइक्वांडो 2025 स्वर्ण पदक विजेता विशाल प्रजापति पर उपस्थित लोगों ने फूलों की बारिश करके सम्मानित किया। विशाल प्रजापति ने कहा कि देश के लिए समर्पित रहूंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट अधवित्ता समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष सुधाकर प्रजापति एवं संचालन डॉ. दिनेश कुमार प्रजापति ने किया। कार्यक्रम मंत्री पवन कुमार प्रजापति ने सफल कार्यक्रम के लिए सभी लोगों को बधाई देते हुए एकजुटता का संकल्प लिया। अंत में कार्यक्रम आयोजक संस्थापक महेन्द्र कुमार प्रजापति ने आए हुए सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रजापति शीर्षक सुधारक संत रामसुभीख प्रजापति का सपना धीरे धीरे पूरा हो रहा है। आने वाले समय में देश और प्रदेश की सरकार में प्रजापति समाज का अहम रोल रहेगा। इस अवसर पर चक्रदूत प्रजापति समाज के संरक्षक चंद्रशेखर प्रजापति, मुन्ना लाल प्रजापति, जिलाजीत प्रजापति, रामकिशुन प्रजापति, महासचिव अजय कुमार प्रजापति एडवोकेट, उपाध्यक्ष मोहन लाल प्रजापति, सुरेश चंद्र प्रजापति, संतोष प्रजापति शिकारपुर, ब्रह्मदेव प्रजापति, मुकेश प्रजापति, संगठन मंत्री संजय प्रजापति, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र प्रजापति राजू, प्रचार मंत्री संतोष प्रजापति वाजिदपुर, नगर महासचिव इंद्र कुमार प्रजापति मुन्ना, नगर उपाध्यक्ष साहेब लाल प्रजापति, राजदेव प्रजापति, भुलई राम प्रजापति, डॉ. योगेंद्र कुमार प्रजापति, प्रजापति महासभा के महासचिव राजबहादुर प्रजापति एडवोकेट, संयुक्त मंत्री अरविंद प्रजापति एडवोकेट, रामपलट प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, आर्यन प्रजापति एडवोकेट, शिवशंकर प्रजापति, तेज बहादुर प्रजापति, राजेश प्रजापति एडवोकेट, सावन प्रजापति, मोहित प्रजापति, कमलेश प्रजापति, पिंटू प्रजापति, रोहित प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, रामपलट प्रजापति, भुलईराम प्रजापति, समेत समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

इंदौर के अलंकार पैलेस कॉलोनी में होलिकोत्सव मनाया गया

- प्रणीत नरेंद्र तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तरशक्ति)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तिवारी परिसर में धूमधाम से होलिकोत्सव मनाया गया। जिसमे मुख्य आकर्षण होलिका की साज - सज्जा थी, जो संजय यादव द्वारा की गई थी। होली के गीतों के बीच पांच क्विंटल फूलों एवं गुलाल से होली खेली गई इस भक्तिमय माहौल में क्षेत्रवासियों ने होलिका माता की पूजा- अर्चना की। सभी धर्मप्रेमी जनता को हलवा प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, वरिष्ठ पत्रकार सुदेश तिवारी, उद्योगपति सुमित तिवारी, समाजसेवी श्रीकांत तिवारी,उमेश तिवारी,श्याम तिवारी, पूर्व पार्षद स्वाति बबलू शर्मा, पार्षद योगेश गेंदर, पार्षद प्रशांत बड़वे, पार्षद शानू शर्मा, उद्योगपति प्रेम मिश्रा, भाजपा नेता वैभव शुक्ला,अखिलेश तिवारी,रजनीश वर्मा, विवेक शर्मा, नितेश बाजपेई, मनोज तिवारी, हितेश बाजपेई एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन भाई ग्रुप एवं अमित सिंग मित्र मंडल के तत्वाधान में किया गया।कार्यक्रम का प्रबंधन बबलू चौहान ने किया।

शुभम तिवारी विवाह के उपरांत उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से लेने पहुंचे आशीर्वाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खण्ड गुलजार गंज, ग्राम मलसिल, पोस्ट मेंहदी निवासी प्रधानाचार्य राजेश कुमार तिवारी के सुपुत्र वेदप्रकाश तिवारी उर्फ शुभम (इंजिनियर) ने शुभ विवाह के उपरांत दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से उनके आवास पर पहुंच कर आशीर्वाद लिया। साथ में मुम्बई स्थित दिवा के निवासी महेश दुबे, प्रमिला महेश दुबे, शुभम तिवारी, राजेश तिवारी बब्लू, अवनीश मिश्रा (अनुज), द्विवेश मिश्रा छोटू ने मिलकर हाल चाल पूछा। बता दें प्रेम चंद मिश्रा का गांव में 2 फरवरी 2026 को कमर में फ्रेक्चर हो गया। दिनांक 5 फरवरी 2026 को प्रयागराज प्रिती नर्सिंगहोम में सफल आप्रेशन हुआ। इन सब लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लिया। तथा ईश्वर से शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

सूरत में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बिंद समाज विकास संघ की सदस्यता ग्रहण की

सुरत, गुजरात(उत्तरशक्ति)। रविवार को ताड़वाड़ी सूरत गुजरात महानगर में बिंद समाज विकास संघ ,जिला सूरत इकाई द्वारा बैठक संपन्न हुई जिसमें, दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सूरत महानगर के अलग-अलग शाखाओं एवं जिले से आए हुए समाजसेवियों ने सामूहिक रूप से बिंद समाज विकास संघ की सदस्यता ग्रहण की। मुख्य रूप से सुरेश कुमार बिंद, अजय कुमार बिंद, धीरेंद्र कुमार बिंद, ओमप्रकाश बिंद, लव कुश बिंद,दीनानाथ बिंद,गुलाबचंद बिंद,फूलचंद बिंद,सभी ने सदस्यता ग्रहण की। सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर आह्वान किया कि बिंद समाज विकास संघ एक ऐसा सामाजिक संगठन है जो पूरे भारत में अपने अच्छे कार्यों विचारों और लोगों के सुख-दुख में शामिल होकर सभी के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करता है, ऐसे संगठन के साथ हम सभी कार्यकर्ता मिलजुल कर संघ के नीति और नियमों के अनुसार काम करेंगे। उन सभी कार्यकर्ताओं ने बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद एवं संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ हम सभी को अपना समाज एवं देश का नाम रोशन करने का एक अच्छा अवसर दिया है।

पी.एन.गाडगीळ ज्वेलर्स ने हासिल किया महत्वपूर्ण पड़ाव

मुंबई। पी.एन.गाडगीळ ज्वेलर्स ने आर्थिक वर्ष 2025-26 में 10,000 कोटी रुपए के रेव्हेन्यू का पड़ाव हासिल किया है. यह उपलब्धि व्यवसाय में गति की मजबूत दशार्ती है. साथ ही गुढी पाड़वा के शुभ अवसर पर कंपनी ने 170.7 करोड़ रुपये की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है. सोने का विभाग रेव्हेन्यू वृद्धि के लिए मुख्य चालक रहा है, जिसके रेव्हेन्यू में वर्षागणिक 35 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है. इसके साथ ही हीरे और चांदी के विभाग में क्रमशः 61 प्रतिशत और 118 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखने को मिली है. पी.एन.गाडगीळ ज्वेलर्स के अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक डॉ.सौरभ गाडगीळ ने कहा की, 10,000 करोड़ रुपये के रेव्हेन्यू का आंकड़ा पार करना हमारे सफर का एक महत्वपूर्ण क्षण है और यह पड़ाव पार करना हमारी लंबे समय से रही आकांक्षा थी. यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों के विश्वास और हमारे कर्मचारियों के निरंतर समर्पण का प्रमाण है.सभी के सामूहिक प्रयासों से ही यह सफलता संभव हो पाई है.

गुढी पाडवा हमारे लिए हमेशा से एक महत्वपूर्ण त्योहार रहा है. इस वर्ष सोने की बढ़ती कीमतों के बावजूद सभी बाजारों में ग्राहकों का जोरदार प्रतिसाद मिला है, जिससे 170.7 करोड़ रुपये की बिक्री हुई.यह हमारे ब्रांड की मजबूती और विभिन्न श्रेणियों व बाजारों में हमारी निरंतर सफलता को दशार्ता है. हम इस कामगिरी को इसी तरह से आगे भी बनाए रखने के लिए आशावादी हैं. अभी शुरू हुए शादियों का सीजन, नए बाजारों में विस्तार और आकर्षक डिजाइन व बेहतर मूल्य प्रदान करने पर हमारा सातत्यपूर्ण ध्यान के चलते हम वित्तीय वर्ष की समाप्ति सफलतापूर्वक करने के लिए तैयार है।

मां स्कंदमाता की उपासना से भक्तों के सभी कष्ट होते हैं दूर: पं. रमेश तिवारी

* बसौली धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, पांचवें दिन 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन
* जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर, मां स्कंदमाता की आराधना में लीन रहे भक्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चैत्र नवरात्रि के पांचवें दिन सोमवार को सुईथाकला क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध देवीधाम बसौली में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। मां स्कंदमाता की पूजा के इस विशेष दिन पर 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, जो देर शाम तक जारी रहीं। दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में मत्था टेककर परिवार की खुशहाली और मंगलकामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंजता रहा, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नवरात्रि के पांचवें दिन महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भजन-कीर्तन और दुर्गा सप्तशती पाठ से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति की ओर से सुरक्षा व व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। देवीधाम बसौली के मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि नवरात्रि का पांचवां दिन मां स्कंदमाता की उपासना के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। उन्होंने कहा कि मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की माता हैं और उनकी गोद में विराजमान स्कंद जी भक्तों को साहस, शक्ति और ज्ञान का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। मां कमल के आसन पर विराजती हैं, इसलिए उन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। पं. तिवारी ने बताया कि जो भक्त सच्चे मन से मां स्कंदमाता की आराधना करता है, उसके जीवन से भय, दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं तथा उसे मोक्ष के मार्ग की प्राप्ति होती है। मां की कृपा से बुद्धि का विकास होता है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है।

नालासोपारा के शिवाजी लोटेकर के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी स्थित साईं अष्टर हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के सचिव शिवाजी लोटेकर का जन्मदिन 22 मार्च 2026 दिन रविवार को मनाया गया। उनके जन्मदिन पर साईं अष्टर हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष ब्रिजेश सिंह, अरविंद प्रेम चंद मिश्रा, हवलदार यादव, अर्जुन चौहान, मृत्युंजय यादव, ऋषि दळवी , नसरीन दळवी , ऋषिकेश शुक्ला, अमित पांडेय, श्रीमती पूनम अमित कुमार पांडेय, श्रीमती प्रतिमा कालेकर, श्रीमती विशाखा शिंदे , शशिकेश यादव, पूर्व नगरसेवक भरत भाई मकवाना, समाजसेवी पंडित महेंद्र शर्मा एवं सभी पदाधिकारियों के तरफ से जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया, इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ शिवाजी लोटेकर को जन्मदिन पर कई लोगों ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार को तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार आनंद कुमार मिश्र, आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल ने शिवाजी लोटेकर व रत्नेश शुक्ला के जन्मदिन पर अपने भाव प्रगट करते हुए कहा कि शिवाजी लोटेकर आप को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं । आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व,मृदुभाषी,और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है, आपने नालासोपारा के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है आप नालासोपारा पूर्व के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव हल करते हैं। समाज के सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों में आप अग्रणी पंक्ति में आते है, सब के दुःख सुख में बराबर के सहभागी बनते है,बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के समाज की सेवा की है और करते भी रहेंगे,समाज सेवा के साथ साथ आप देश सेवा में भी अपना योगदान दे रहे है,आप हम सभी लोगो के प्रेरणाश्रोत है,प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे,स्वस्थ रहे,सुखी रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बहुत बधाई ।

अजमल दुबई ने रणवीर सिंह को ब्रांड एंबेसडर किया घोषित

मुंबई। अजमल दुबई ने रणवीर सिंह को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है, जो युअर अनसीन पॉवर नामक अपने नवीनतम अभियान के लॉन्च के साथ एक साहसिक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है। अपनी पीढ़ी के एक प्रभावशाली कलाकार और अंतिम शोमैन के रूप में पहचाने जाने वाले रणवीर सिंह, सुगंध के माध्यम से व्यक्तित्व का उत्सव मनाने की ब्रांड की विचारधारा को पूरी तरह से अभिव्यक्त करते हैं। यह सहयोग अजमल की समृद्ध परफ्यूमरी विरासत को एक समकालीन आवाज के साथ जोड़ता है, जो नई पीढ़ी के फ्रेगरेंस प्रेमियों के साथ गूंजता है। उनके स्टारडम के अनुरूप एक बड़े स्तर पर, यह अभियान आज देशभर में 575+ PV फस्क्रीन पर प्रदर्शित किया जा रहा है। युअर अनसीन पॉवर अभियान अजमल दुबई की तीन प्रतिष्ठित फ्रेगरेंस को प्रस्तुत करता है, जिनमें से प्रत्येक आधुनिक अभिव्यक्ति के एक विशिष्ट पहलू का प्रतिनिधित्व करती है। अरिस्टोक्रेट एक परिष्कृत वुडी-फ्रेश पुरुष सुगंध है, जिसमें ऊद की हल्की झलक है, जो संरचना और गहराई को दशार्ती है, ऑरम समर एक जीवंत फ्रूटी-फ्लोरल यूनिसेक्स सुगंध है, जो गर्माहट और सहज आकर्षण को दशार्ती है जबकि विसाल लायल एक सेंसुअल वुडी सुगंध है, जिसे खास और यादगार पलों के लिए डिजाइन किया गया है। ये सभी मिलकर करिश्मा और आत्मविश्वास के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत करते हैं, जो रणवीर सिंह को ब्रांड का आदर्श चेहरा बनाते हैं। रणवीर सिंह, ब्रांड एंबेसडर, अजमल दुबई ने कहा, अजमल दुबई विरासत, कारीगरी और इस विचार का प्रतीक है कि सुगंध व्यक्तित्व का विस्तार है, जिससे मैं व्यक्तिगत रूप से जुड़ाव महसूस करता हूं। युअर अनसीन पॉवर अभियान उसी भावना को दशार्ता है, जहां अरिस्टोक्रेट, ऑरम समर और विसाल लायल जैसी फ्रेगरेंस आत्मविश्वास, ऊर्जा और अंतरंगता के अलग-अलग पहलुओं को दशार्ती हैं। मेरे लिए ये सिर्फ परफ्यूम नहीं हैं; ये अनुभव हैं, जो लोगों को अपनी अनदेखी शक्ति को महसूस करने का अवसर देते हैं। अब्दुल्ला अजमल, सीईओ, अजमल ग्रुप ने कहा, रणवीर सिंह केवल अजमल दुबई का चेहरा नहीं हैं; वे हमारी आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मकता की दृष्टि को साझा करते हैं। युअर अनसीन पॉवर अभियान 75 वर्षों की परफ्यूमरी विशेषज्ञता को समकालीन कहानी कहने के साथ जोड़ता है। हमने हमेशा यह माना है कि किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति वह है जो हमेशा दिखाई नहीं देती, और यह अभियान उसी अनदेखी शक्ति का उत्सव है। अरिस्टोक्रेट , ऑरम समर और विसाल लायल के साथ-साथ अजमल के अन्य लोकप्रिय फ्रेगरेंस भारत में सभी प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हैं।

सैमसंग ने गैलेक्सी S26 सीरीज के साथ 'क्विक शेयर' में जोड़ा एयरड्रॉप सपोर्ट

मुंबई। सैमसंग अपनी गैलेक्सी र26 सीरीज में एयरड्रॉप सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे यूजर्स के लिए 'क्विक शेयर' का उपयोग करके डिवाइसेज के बीच कंटेंट शेयर करना और भी आसान हो जाएगा। यह फीचर 23 मार्च से चरणबद्ध तरीके से रोलआउट होना शुरू होगा, जिसकी शुरूआत कोरिया से होगी। इसके बाद इसे यूरोप, हांगकांग, जापान, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण-पूर्वी एशिया और ताइवान सहित अन्य क्षेत्रों में विस्तारित किया जाएगा। एयरड्रॉप सपोर्ट शुरूआत में गैलेक्सी S26 सीरीज पर उपलब्ध होगा, जबकि अन्य डिवाइसेज के लिए इसके विस्तार की घोषणा भविष्य में की जाएगी।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. पेण इकाई की जागरूकता अभियान बैठक संपन्न

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार पेण, प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ की जागरूकता अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय बैठक राधाकृष्णा वाडी, तारांखोप,पेण में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में उपस्थित समाज बंधुओं को संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई एवं उन्हें बताया गया। संस्था को मजबूती प्रदान करने के दृष्टिकोण से और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन के विस्तार पर जोर देते हुए अधिक से अधिक लोगों को संस्था से जुड़ने के लिए आह्वान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज बंधुओं ने स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा किया जिसके समाधान के लिए आश्वासन दिया गया।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उपस्थित मान्यवरों ने संगठन के महत्व को समझाते हुए कहां कि समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में संस्था का सदस्य बनना चाहिए। संगठन जितना ही बड़ा और मजबूत होगा उतना ही इसका फायदा मिलेगा। यह भी बताया गया कि समाज के गरीब विद्यार्थियों एवं समाज के अन्य गरीब बंधुओं के लिए संस्था हमेशा आगे बढ़कर काम करेगी और हर तरफ से सहयोग करने का प्रयास करेगी। इस अवसर पर पेण तालुका के पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई। जिसमें राजकुमार प्रजापति को पेण इकाई का संरक्षक, सूरज प्रजापति को अध्यक्ष, पंकेश प्रजापति को उपाध्यक्ष, उमेश प्रजापति को सचिव, अनिल प्रजापति को उपसचिव सहित कई कार्यकारिणी सदस्यों को नियुक्त किया गया।

बैठक में गजेंद्र प्रजापति राष्ट्रीय मुख्य महासचिव, इंदर प्रजापति महासचिव रायगड जिला , राज किशोर प्रजापति अध्यक्ष अलीबाग तालुका, दिलीप प्रजापति अध्यक्ष कर्जत तालुका, राजकिशोर प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, पंकज प्रजापति, सूरज प्रजापति, सुशील प्रजापति, स्वामीनाथ प्रजापति, संतोष प्रजापति, उमेश प्रजापति, जगन्नाथ प्रजापति, अजीत प्रजापति, दिलीप प्रजापति, अर्जुन प्रजापति, संदीप प्रजापति, रामसूरत प्रजापति, अरविंद प्रजापति, पप्पू प्रजापति, द्वारिका प्रजापति, नरसिंह प्रजापति, नितेश प्रजापति, अनिल प्रजापति, पवन प्रजापति और कमलेश प्रजापति सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।